हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 110 ● भिलाई, बुधवार 18 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पठानकोट में गनपॉइंट पर कार लूटी, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में हाई-अलर्ट जारी

पठानकोट। पठानकोट-जम्मू नेशनल हाइवे स्थित पठानकोट शहर के डाउनटाउन इलाके से गनपॉइंट पर कार लूटने की खबर सामने आई है। इसके बाद खुफिया एजेंसियों ने हाई-अलर्ट जारी किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद गाड़ी को पठानकोट से लेकर फरार हो गए हैं। इस घटना के बाद पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस सतर्क है और पूरे इंटर-स्टेट बॉर्डर व नेशनल हाईवे पर हाई-अलर्ट जारी कर दिया गया है। लूटी गई कार सफेद रंग की महिंद्रा 500 है। गाड़ी का नंबर ब्ब्ब्35-9902 बताया जा रहा है। कार बमियाल के रहने वाले व्यक्ति के नाम पर दर्ज है। कार लूट की घटना के बाद हाईवे पर नाकाबंदी, पठानकोट-कठुआ-सांबा-जम्मू हाईवे पर स्थित सभी पुलिस नाकों, पीसीआर टीमों और संबंधित थाना प्रभारियों को तत्काल अलर्ट कर दिया गया है।

गुरदासपुर में पुलिस कर्मी का शव बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गुरदासपुर। पंजाब के गुरदासपुर में एक पुलिसकर्मी का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या किए जाने का दावा किया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुरदासपुर के गांव माण कौर बाईपास के नजदीक पुलिसकर्मी का शव बरामद हुआ। मृतक पुलिसकर्मी की पहचान विनोद कुमार के रूप में हुई, जो हेड कांस्टेबल पद पर तैनात थे। इस बारे में सूचना मिलने के बाद पंजाब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि हेड कांस्टेबल विनोद कुमार को कथित तौर पर गोली लगी हुई थी। वहीं, परिवार का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने हेड कांस्टेबल विनोद को गोली मारी है।

श्रॉफ फायरिंग केस : 6 आरोपियों में 5 को न्यायिक हिरासत, सुनेहा पंडित 21 नवंबर तक पुलिस कस्टडी में

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच आगे बढ़ रही है। इस मामले में गिरफ्तार 13 आरोपियों में से छह की पुलिस कस्टडी खत्म होने के बाद उन्हें मकोका कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद अदालत ने पांच आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जबकि आरोपी सुनेहा पंडित को 21 नवंबर तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 ने सुनेहा पंडित समेत छह आरोपियों को अदालत में पेश किया। पुलिस ने सुनेहा से पूछताछ के लिए छह दिन की कस्टडी मांगी थी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के दौरान पैसों के लेनदेन और आरोपियों के बीच संबंधों को लेकर कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

क्वाड बैठक में बोले पीएम मोदी

इंडो-पैसिफिक के लिए भरोसेमंद समाधान देना हमारा लक्ष्य-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित क्वाड नेताओं की बैठक में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत क्वाड को एक रचनात्मक, विश्वसनीय और परिणाम देने वाली साझेदारी के रूप में देखता है। समुद्री सुरक्षा, भरोसेमंद सप्लाई चेन, नई तकनीक और आपदा प्रबंधन जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना इस समूह की प्रमुख प्राथमिकता है। बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मनीला का क्वाड के इतिहास में विशेष महत्व रहा है। साल 2007 में चारों देशों के अधिकारी पहली बार इसी शहर में मिले थे। इसके बाद 2017 में मनीला में ही क्वाड देशों ने अपना संवाद दोबारा शुरू किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक शहर में एक बार फिर क्वाड नेताओं का मिलना साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने सदस्य देशों के बीच बढ़ते संवाद और सहयोग को भी साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। पीएम मोदी ने कहा कि क्वाड का उद्देश्य केवल बैठकों और चर्चाओं तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए व्यावहारिक और भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने, वैश्विक सप्लाई चेन को अधिक विश्वसनीय बनाने, नई तकनीकों के विकास और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित



प्रतिक्रिया जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने की आवश्यकता बताई। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि पिछले वर्ष जनवरी से अब तक क्वाड देशों के विदेश मंत्री पांच बार मिल चुके हैं। यह समूह के प्रति सभी सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति और साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने क्वाड को आगे बढ़ाने में सभी सदस्य देशों के नेताओं के योगदान की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि मनीला बैठक से सहयोग के अगले चरण के लिए ठोस लक्ष्य तय होंगे। पीएम मोदी के मुताबिक, क्वाड की मजबूती से न केवल सदस्य देशों को लाभ होगा, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा।

मोदी एक महान नेता हैं, हर कोई करता है उनका सम्मान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित क्वाड समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की। दोनों नेताओं के साथ फोटो सेशन के दौरान ट्रंप ने मोदी को एक मजबूत व्यक्तित्व वाला नेता बताया और कहा कि दुनियाभर में उनका काफी सम्मान किया जाता है। फोटो खिंचवाते समय ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह बेहद सख्त इंसान हैं।

मनीला में पीएम मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की मुलाकात, कई अहम मुद्दों पर हुई विशेष चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 21वें ईस्ट एशिया समिट के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्रालय ने इस बैठक को 'गर्मजोशी भरी और सार्थक' बताया। बैठक के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत अब तक हुए कामकाज का जायजा लिया और द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने के संभावित तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए।

जंगल में नक्सल डम्प बरामद

बंदूक, बारूद और दो डेटोनेटर मिले, विस्फोटक मौके पर नष्ट

अंतागढ़। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के मोदेमरका और मिच्चेबेड़ा गांवों के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों का एक डम्प बरामद किया गया। तलाशी के दौरान जवानों को हथियार, विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सल उपयोग की वस्तुएं मिलीं। सुरक्षा के मद्देनजर संदिग्ध विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को जिला बल, सीमा सुरक्षा बलऔर बम डिस्पोजल



स्क्वॉड की संयुक्त टीम कोयलीबेड़ा क्षेत्र में सर्चिंग पर निकली थी। इसी दौरान मोदेमरका-मिच्चेबेड़ा के बीच जंगल और पहाड़ी इलाके में संदिग्ध डम्प का पता चला। टीम ने मौके की तलाशी ली तो वहां से एक भरमार बंदूक, लगभग एक किलोग्राम संदिग्ध आईईडी मैकेनिज्म, करीब एक किलोग्राम बारूद (गन पाउडर) और दो डेटोनेटर बरामद हुए।

शिकायत पर एफआईआर दर्ज

तू मेरे को जेल भेजेगा बे...कटघरे में खड़े होकर सीजेएम को जान से मारने की धमकी भी दी....

मुंगेली. छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला न्यायालय में पेशी के दौरान चोरी के आरोपी ने जमकर बवाल काटा. ट्रक चोरी के आरोप में भगतराम राजपूत को सरगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया था. 16 अक्टूबर को उसे कोर्ट में पेश किया गया. इस दौरान नाम पूछने पर बदतमीजी करते हुए कटघरे से कूदकर डायस पर चढ़ गया. इसके बाद पीठासीन अधिकारी को जान से मारने की धमकी दी और कांच के फ्रेम को तोड़ने का प्रयास किया. इसके बाद आरोपी के खिलाफ प्रस्तुतकर्ता शत्रुघन कुमार बेलदार ने थाना पहुंचकर शिकायत दी, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है. दरअसल, 16 नवंबर को सरगांव थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 189/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के मामले में गिरफ्तार आरोपी भगतराम राजपूत (25 वर्ष) को शाम करीब 4:30 बजे रिमांड के लिए मुंगेली जिला न्यायालय में पेश किया गया था. पुलिसकर्मी आरोपी को कटघरे में खड़ा करने के लिए ले जा रहे थे, तब उसने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया और



पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता करने लगा. शिकायत में बताया गया कि आरोपी भगतराम राजपूत ने पीठासीन अधिकारी की ओर उंगली दिखाते हुए कहा कि 'तू मेरे को जेल भेजेगा बे.' इसके बाद वह कटघरे से छलांग लगाकर पीठासीन अधिकारी के सामने लगे कांच के फ्रेम के पास पहुंचा और उसे जोर-जोर से तोड़ने का प्रयास किया. इस दौरान पीठासीन अधिकारी के साथ न्यायालयीन कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी. शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी द्वारा किए गए कृत्य काफी अपमानजनक है. घटना से सभी आहत हैं. वहीं पीठासीन अधिकारी के कांच के फ्रेम को तोड़ने का प्रयास करना जान से मारने के आशय को दर्शाता है. आरोपी के खिलाफगंभीर अपराधिक कृत्य के संबंध में कार्रवाई होनी चाहिए. सरगांव थाना में चालक रामखिलावन कुर्मी ने ट्रक चोरी होने को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी.

केंद्रीय एजेंसी का दबाव बढ़ा

विकास अग्रवाल ने दुबई भेजे पैसे 12 सौ करोड़ हवाला के जरिए किए शिफ्ट

रायपुर। संवाददाता

शराब घोटाला के मनी मैनेजर विकास अग्रवाल तथा महादेव सट्टा एप के एक और प्रमोटर रवि उप्पल के दुबई में पकड़े जाने के बाद इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई ने दोनों आरोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज कर दी है। आरोपियों को भारत प्रत्यर्पित करने संबंधित चैनलों के माध्यम से केंद्रीय जांच एजेंसी के अफसर यूएई के अफसरों से लगातार संपर्क में हैं। शराब घोटाले की जांच कर रही राज्य की जांच एजेंसी ईओडब्लू के एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि अनवर ढेबर का



करीबी तथा उसका साथी विकास अग्रवाल ने केंद्रीय जांच एजेंसी का दबाव बढ़ने पर शराब घोटाला की 12 सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि हवाला चैनल के माध्यम से वर्ष 2022 में शिफ्ट किया। उसने वह रकम मई 2022 से जुलाई 2022 के बीच शिफ्ट किया है। हवाला के जरिए रकम शिफ्ट करने आरोपी ने सौ करोड़ रुपए के करीब राशि खर्च की थी। दुबई में हवाला के जरिए जो रकम ट्रांसफर की गई है, वह रकम अनवर देबर के कहने पर विकास ने शिफ्ट की थी। उस रकम से दुबई में जो प्रापर्टी खरीदी गई है, उसकी केंद्रीय जांच एजेंसी पहचान करने में जुटी हुई है। साथ ही यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है, घोटाले की रकम में से किन किन लोगों के हिस्से की कितनी रकम दुबई में ट्रांसफर की गई है। घोटाले की रकम का मैनेजमेंट विकास अग्रवाल ही संभालता था। रकम को कब मंगाना है, इसका निर्णय उसी के द्वारा लिया जाता था।

सोनम वांगचुक 60 दिनों के लिए नजरबंद, लद्दाख काउंसिल चुनाव के विरोध पर प्रशासन का कड़ा एक्शन

लेह। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लद्दाख प्रशासन ने एक बड़े प्रशासनिक कदम के तहत 60 दिनों के लिए नजरबंद कर दिया है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के बाद उनकी आवाजाही पर कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं और वे किसी भी रैली, जुलूस या सार्वजनिक प्रदर्शन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब आगामी 4 दिसंबर को लद्दाख में स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चुनाव होने वाले हैं, जिसका सोनम वांगचुक और अन्य स्थानीय नेता कड़ा विरोध कर रहे थे।

धोनी का योगदान बेहद खास रहा

धोनी का आईपीएल से संन्यास, चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि धोनी ने आईपीएल से संन्यास ले लिया है। चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें टीम के साथ नई भूमिका में जोड़ने की तैयारी की है। आईपीएल 2027 में धोनी खिलाड़ी के तौर पर नहीं, बल्कि टीम के मेंटोर के रूप में नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए धोनी का योगदान बेहद खास रहा है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। ऐसे में उनके



अनुभव और रणनीतिक समझ का फायदा अब टीम को मेंटोर के रूप में मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया ङ्क पर इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। पोस्ट में लिखा कि ऐसे खिलाड़ी जो जीवन में बस एक बार मिलते हैं। एक नई भूमिका। एक ऐसा रिश्ता जो हमेशा कायम रहेगा महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के टीम मेंटर बन गए हैं! अनगिनत जीत, मुश्किल दौर और ऐसी यादें जो हमेशा हमारे दिलों में रहेंगी—इन सबके बीच, एमएस शुरुआत से ही हमारे सफर का अहम हिस्सा रहे हैं। हमें जीत दिलाने से लेकर सुपर किंग्स की अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करने तक, 'थाला' हमेशा हमारी पहचान का हिस्सा रहेंगे और चेन्नई हमेशा उनका घर रहेगा। एन. श्रीनिवासन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। लगभग दो दशकों से, हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं।

ईओडब्ल्यू ने 8 दिन की रिमांड पर लिया

पटवारी-आरआई पेपर लीक मामले में दो आरोपी गिरफ्तार...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के चर्चित पटवारी से राजस्व निरीक्षक पदोन्नति परीक्षा पेपर लीक मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने मध्यप्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दोनों पर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र हासिल कर अभ्यर्थियों तक पहुंचाने और इसके बदले मोटी रकम वसूलने का आरोप है। रायपुर की विशेष अदालत ने दोनों आरोपियों को 23 नवंबर यानी 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 35 वर्षीय वीर सिंह जाटव और 41 वर्षीय अरविंद जाटव के रूप में हुई है। दोनों मध्यप्रदेश के भिंड जिले के उमरी थाना क्षेत्र के ग्राम घना की गड़िया के निवासी हैं। ईओडब्ल्यू ने 16 नवंबर को दोनों को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया, जहां से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड मिली। दरअसल, 7 जनवरी 2024 को पटवारियों को राजस्व निरीक्षक प्रशिक्षण के लिए चयनित करने के उद्देश्य से विभागीय परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा का आयोजन परीक्षा आयुक्त, भू-अभिलेख की ओर से किया गया था। इसके परिणाम के आधार पर 216 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। बाद में परीक्षा में गड़बड़ी और अनियमितताओं की शिकायतें सामने आईं। इसके बाद राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने उच्च स्तरीय जांच कराई। जांच रिपोर्ट के आधार पर सामान्य प्रशासन विभाग ने मामला ईओडब्ल्यू एसीबी को सौंप



दिया। शुरुआती जांच में अनियमितताओं के तथ्य मिलने के बाद एजेंसी ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। ईओडब्ल्यू एसीबी की जांच के मुताबिक, वीर सिंह जाटव और अरविंद जाटव ने प्रश्नपत्र मुद्रण समिति से जुड़े सह-आरोपी वीरेन्द्र जाटव के साथ मिलकर पेपर लीक करने की साजिश रची थी। आरोप है कि परीक्षा की गोपनीयता भंग करते हुए दोनों ने परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र हासिल कर लिया और इसे परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों तक पहुंचाया। जांच एजेंसी के अनुसार, प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने और लीक पेपर से तैयारी के लिए जगह मुहैया कराने के बदले अभ्यर्थियों से मोटी रकम भी वसूली गई थी। अब ईओडब्ल्यू इस पूरे नेटवर्क और लेन-देन से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। ईओडब्ल्यू ने 15 नवंबर 2026 को कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में दोनों आरोपियों की पहचान परेड कराई थी। इस दौरान परीक्षा में शामिल हुए संबंधित पटवारियों ने आरोपियों की पहचान प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने, तैयारी के लिए स्थान मुहैया कराने और अवैध वसूली करने वाले व्यक्तियों के रूप में की। जांच में संलिप्तता से जुड़े साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया। अब पुलिस रिमांड के दौरान उनसे पेपर लीक की पूरी प्रक्रिया, इसमें शामिल अन्य लोगों और अभ्यर्थियों से वसूली गई।

छत्तीसगढ़ में पटवारियों के बाद अब राजस्व निरीक्षकों ने खोला मोर्चा, काम बंद कर गए सामूहिक अवकाश पर

छत्तीसगढ़ में राजस्व विभाग की व्यवस्था पर हड़तालों का असर लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बीच अब राजस्व निरीक्षकों ने भी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का रास्ता चुन लिया है। इससे प्रदेश में राजस्व संबंधी कामकाज प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। एक तरफपटवारियों की अनुपस्थिति से मैदानी स्तर पर कामकाज प्रभावित है वहीं दूसरी तरफराजस्व निरीक्षकों के सामूहिक अवकाश से प्रशासनिक व्यवस्था पर दोहरा दबाव पड़ सकता है। आज प्रदेशभर के राजस्व निरीक्षक एक दिन के सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इस दौरान सभी जिला मुख्यालयों में राजस्व निरीक्षक एकत्रित होकर मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे।

संक्षिप्त समाचार



भगवान बिरसा मुंडा के गौरवगान से गूंजा बलरामपुर, जनजातीय संस्कृति की दिखी अनुपम छटा

बलरामपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर बलरामपुर के हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में जनजातीय समाज की समृद्ध विरासत, पारंपरिक जीवनशैली, कला, संस्कृति और खान-पान की अनूठी झलक देखने को मिली। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए आकर्षक प्रदर्शनी स्टॉल और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहे। समारोह को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित कर संघर्ष का बिगुल फूंका था। उनका जीवन आज भी अपने अधिकारों, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा करने की प्रेरणा देता है।

जनजातीय समाज ने जल, जंगल और जमीन को संरक्षित करते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की राह दिखाई है। जनजातीय गौरव दिवस पर प्रदर्शित विभिन्न स्टॉल इसी गौरवशाली विरासत के जीवंत प्रमाण हैं। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय बहुल गांवों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं और बेटियों से शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।



अपर कलेक्टर नवीन भगत ने धान खरीदी केंद्र बरपाली का किया औचक निरीक्षण

सक्ती। कलेक्टर जयश्री जैन के निर्देशन में अपर कलेक्टर नवीन भगत ने धान खरीदी केंद्र बरपाली का औचक निरीक्षण कर धान खरीदी की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को धान खरीदी सम्बन्धी सभी तैयारियां सुनिश्चित रखे जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, बारदाने, बायोमेट्रिक डिवाइस, कंप्यूटर, इंटरनेट, सीसीटीवी कैमरे, धान की गुणवत्ता जांच, पेयजल, शौचालय एवं किसानों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। अपर कलेक्टर भगत ने कहा कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ हो गई है। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखे, ताकि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा खरीदी कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भटगांव में बाल दिवस पर आनंद मेला का आयोजन, छात्राओं के पकवानों की हुई जमकर तारीफ

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बाल दिवस के अवसर पर आनंद मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला विकास समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार पटेल ने सरस्वती माता की पूजा-अर्चना कर एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर शाला विकास समिति के सदस्य, पालकगण, विद्यालय की प्राचार्य निरूपमा केशरवानी एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। आनंद मेला में छात्राओं ने अपने-अपने स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान बनाए। पालकगण एवं शिक्षकगण ने छात्राओं द्वारा बनाए गए पकवानों का जमकर लुत्फ उठाया और उनकी सराहना की। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों को पेन वितरित किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उत्साह और आनंद का माहौल बना रहा।



कलार समाज ने मनाया सहस्त्रबाहु जयंती

सक्ती। कलार समाज के आराध्य देव राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु के जयंती के अवसर पर कलार समाज सक्ती द्वारा तुर्री धाम स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर में पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कलार समाज के जिलाध्यक्ष गिरधर जायसवाल ने कहा कि भगवान सहस्त्रबहु ने भगवान विष्णु के ही अवतार है अपने पराक्रम से लगभग 1600 वर्षों तक राज किया आज भी भारत के विभिन्न स्थानों पर उनके द्वारा निर्मित अवशेष विद्यमान हैं जांजगीर का नाम हैहहैह वशीय राजा जाजलव देव का नाम पर रहा रतनपुर हमारे वशीय राजधानी रही हैं समाज के कई शोधकर्ताओं ने सरगुजा से बस्तर तक हैहहैह वशीय का विशाल साम्राज्यवाद होने का प्रमाण पाया हैं जायसवाल ने कहा कि कलार समाज विभिन्न सरनेम के साथ पूरे देश मे बहुतायत सख्या में विभिन्न स्थानों पर रहते हैं अब समाज मे लगातार एकजुटता के कारण एक दूसरे को जानने लगें हैं कलार समाज परिक्षेत्र शक्ति के अध्यक्ष शिवप्रसाद जायसवाल ने कहा कि कार समाज एक संगठित और जागरूक समाज है तथा जन सेवा में हमेशा समर्पित रहता है आने वाले दिनों में कलार समाज का वृहद कार्यक्रम आयोजन किया जाना है जिसमें पूरे जिले एवं प्रदेश के समाज के प्रबुद्ध जनों को आमंत्रित किया जाएगा छत्तीसगढ़ में भगवान सहस्त्रबाहु का एकमात्र मंदिर तुर्री धाम में हम सभी समाज के लोगों के सहयोग से निर्मित हुआ है यह हमारे लिए गौरव का विषय है इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामनाथ जायसवाल ब्लॉक कलार महासभा के अध्यक्ष हेमंत डडसेना शक्ति नगर के अध्यक्ष दिनेश जायसवाल हीराधार जायसवाल रूपेश जायसवाल राकेश जयसवाल सुरेश जयसवाल राजेश जायसवाल रमेश जायसवाल रामलाल जायसवाल रामकुमार डड़सेना सेवा सहित समाज के लोगों की उपस्थिति रही ।

सी पी एन स्कूल मे नन्हे वैज्ञानिकों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उत्साह ने मोहा सबका मन

फन फेयर एवं विज्ञान प्रदर्शनी में दिखा बच्चों का हुनर

भटगांव। करियर पॉइंट नेशनल स्कूल भटगांव के डायरेक्टर प्रियंका चौहान एवं प्रिंसिपल नरेश चौहान जी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व में 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर फन फेयर व विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने और उन्हें किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच एवं आत्मविश्वास का शानदार परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बी ई ओ, विशिष्ट अतिथि प्रकाश सोनी ए बी इ ओ बिलाईगढ़ प्रीतम भारद्वाज प्राचार्य, सेजेस स्कूल भटगांव, विजय कुमार साहू संकुल समन्वयक, विजय कुमार खरे व्याख्याता, जीतेन्द्र दास वैष्णव सहित पत्रकार बंधुओं में धर्मेंद्र साहू, के. पी.



पटेल, सुरेश रघु, संदीप पटेल,अनिल जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बच्चों की प्रतिभा को मिला खुला आसमान –

कार्यक्रम में विज्ञान प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों, नवीन विचारों एवं रचनात्मक परियोजनाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपने-अपने मॉडल की कार्यप्रणाली और उपयोगिता को अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उनकी जिज्ञासा, मेहनत और प्रस्तुतीकरण देखकर अतिथियों ने विद्यार्थियों की सराहना की। विद्यालय का यह प्रयास इस सोच को दर्शाता है कि वास्तविक शिक्षा वही है, जो बच्चों को सोचने, समझने, सवाल पूछने और स्वयं कुछ नया करने के लिए प्रेरित करे। विज्ञान प्रदर्शनी के साथ आयोजित फन फेयर आनंद मेला ने समारोह में चार चांद लगा दिए। विभिन्न आकर्षक स्टॉलों, खान-पान की व्यवस्थाओं एवं मनोरंजक गतिविधियों ने पूरे विद्यालय परिसर को उत्सवमय बना दिया। विद्यार्थियों ने स्टॉल संचालन, आपसी सहयोग, संवाद और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कौशलों का भी अनुभव प्राप्त किया। बाल दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का भी अनूठा अवसर बना।

मेधावी विद्यार्थियों का मोमेंटो देकर किया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम रोशन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा मोमेंटो भेंट कर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य सर्वांगीण विकास

डायरेक्टर ने अपने मार्गदर्शन के माध्यम से सदैव इस बात पर बल दिया है कि विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संस्कार, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावहारिक कौशल भी प्रदान किए जाएं। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय लगातार ऐसे आयोजन करता आ रहा है, जिनसे विद्यार्थियों को अपनी छिपी हुई प्रतिभा पहचानने और उसे विकसित करने का अवसर मिलता है। विद्यालय का लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में सक्षम बनाना है।

शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव शंकर कटकवार, देवानंद साहू राहुल आदित्य, कुंदन बंजारे, देवदत्त खंडेलकर श्रीमती ममता केशरवानी, टिकेश्वरी साहू, रविशंकर, लक्ष्मी लता साहू, पूजा साहू, चंचल यादव, उमा कर्ष, कल्पना टंडन, अंजू यादव, रितेश्वरी सिंह, खुशबू बर्मन, मनीषा आदित्य, सविता जायसवाल, भूमिका धीवर, सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

अतिथियों ने बढ़ाया विद्यार्थियों का मनोबल

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विज्ञान प्रदर्शनी एवं विद्यार्थियों की विभिन्न प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नई सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकगणों के प्रयासों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वहीं कार्यक्रम का समापन प्रज्ञा इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर एवं पत्रकार के. पी. पटेल एवं सह संचालक श्रीमती प्रमोदिनी पटेल ने बच्चों को इस कार्यक्रम के प्रति जागरूक करते हुए किया और कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों के पढ़ाई के साथ साथ अन्य एक्स्ट्रा टैलेंट का विकास होता है जिससे इस प्रकार के कार्यक्रम के भागीदारी से बच्चों मे सर्वांगीण विकास सुनिश्चित है अत : सभी बच्चों को स्कूल के सभी कार्यक्रम जैसे खेलकूद, आनंद मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि मे हिस्सा लेना जरुरी है । विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्कूल का यह आयोजन इस संदेश के साथ यादगार बना कि प्रत्येक बच्चे के भीतर एक विशेष प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत है तो बस उसे पहचानने, प्रोत्साहित करने और सही दिशा देने की। यही सोच एक बेहतर शिक्षित, संस्कारवान और आत्मविश्वासी पीढ़ी के निर्माण का आधार है।

लोकआस्था के महापर्व पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने उगते सूर्य को अर्पित किया अर्घ्य, प्रदेश की खुशहाली की मांगी कामना





सिंदूर छठ घाट पर श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ छठ महापर्व का समापन

बलरामपुर। प्रभार जिला बलरामपुर स्थित सिंदूर छठ घाट पर लोकआस्था के महापर्व छठ पूजा का समापन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने व्रती माताओं-बहनों के साथ भगवान सूर्यदेव को प्रात:कालीन अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

सूर्यदेव से की प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

इस दौरान मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भगवान सूर्यदेव से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनका प्रकाश हर परिवार के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। हर घर में शांति और प्रत्येक हृदय में विश्वास की नई किरण जागृत हो।

छठी मइया की कृपा से खुशहाल रहे छत्तीसगढ़

मंत्री ने छठी मइया से कामना की कि उनकी कृपा से छत्तीसगढ़ का हर आंगन खुशियों और उजाले से रोशन रहे। हमारा प्रदेश आस्था, स्वच्छता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की मिसाल बनकर निरंतर आगे बढ़ता रहे। छठ महापर्व के इस पावन समापन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और लोकसंस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिली।

गर पंचायत देवभोग में जल जीवन मिशन का बुरा हाल, टंकी बनी लेकिन ग्रामीणों को पर्याप्त पानी नहीं

देवभोग। नगर पंचायत देवभोग में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से पानी पहुंचाने की योजना पर सवाल उठने लगे हैं। योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किये पांच साल होने जा रहा लेकिन इसके बावजूद ग्रामीणों को पर्याप्त और नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। टंकी और पाइपलाइन जैसी व्यवस्थाएं नजर आने के बाद भी लोगों की पानी की समस्या दूर नहीं हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक नियमित और पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। केंद्र सरकार के अनुसार योजना में केवल नल कनेक्शन देना ही नहीं, बल्कि नियमित एवं स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करना भी लक्ष्य है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई



घरों में नल कनेक्शन होने के बावजूद पानी की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में नहीं हो रही है। कई बार पानी आने का समय भी निश्चित नहीं रहता, जिससे परिवारों को दैनिक जरूरतों के लिए अन्य जलस्रोतों पर निर्भर होना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जब योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया गया है तो उसका लाभ प्रत्येक परिवार तक नियमित रूप से पहुंचना चाहिए।

भटगांव में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन, निकलेगी भव्य कलश यात्रा

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव में दुबे परिवार द्वारा श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन 17 नवंबर से 24 नवंबर 2026तक किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। कथा के माध्यम से श्रद्धालु गण सात दिनों तक भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की लीलाओं, भक्ति और आध्यात्मिक ज्ञान का रसपान करेंगे।आयोजन का शुभारंभ 17 नवंबर को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगा। कलश यात्रा दोपहर 01 बजे केसरवानी मंगल भटगांव से प्रारंभ होकर कथा स्थल निज निवास एन डी वैष्णव हॉस्पिटल के सामने पंडाल तक पहुंचेगी। इसके पश्चात दोपहर 3:30 बजे से श्री हरि इच्छा तक श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराया जाएगा। कथा व्यास आचार्य श्री श्री 1008 पवन कुमार त्रिपाठी जी महाराज अपने मुखारविंद से



श्रद्धालुओं को भागवत कथा का श्रवण कराएंगे। 24 नवंबर तक प्रतिदिन दोपहर 03 बजे से श्री हरि इच्छा तक कथा का आयोजन होगा।

इस दौरान हवन, आरती, प्रसाद वितरण एवं भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा।यह धार्मिक आयोजन मुकुट लाल दुबे एवं फूल दुबे के परिवार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में संजय दुबे, पंकज दुबे एवं प्रवेश दुबे सहित समस्त दुबे परिवार एवं इष्ट मित्र मीत मितान परिवार सक्रिय रूप से जुटा हुआ है। साथ ही कथा को सफल बनाने के लिए म्यूजिशियन, एंकर, पून्य पंडित जी एवं मैनेजमेंट टीम पूर्ण परिश्रम के साथ कथा के प्रत्येक दिवस को सुंदर एवं स्मरणीय बनाए रखने के लिए पूरी व्यस्था में लगे हुए हैं।

लापरवाह अधिकारियों पर कसेगा शिकंजा, कलेक्टर रेना जमील सख्त

सूरजपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर रेना जमील ने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों और विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को दो टूक निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं और जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीएमओ पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों और आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने टेलीमेडिसिन, एनसीडी स्क्रीनिंग, डायबिटीज उपचार एवं फॉलोअप सहित सर्वाइकल और ओरल कैंसर की जांच, उपचार तथा जागरूकता गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने और नेटवर्क की समस्या वाले क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

वय वंदन कार्ड निर्माण की प्रगति

रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण को लेकर जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक

- **जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक जल प्रदाय का सर्वसम्मति से निर्णय गुलजार सिंह**

सक्ती। डॉक्टर चरण दास महंत के जिला विधायक प्रतिनिधि गुलजार सिंह ठाकुर रबि सिंचाई निर्धारण जिला स्तरीय बैठक में हुए शामिल जांजगीर-चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में रबी सिंचाई कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, विधायक पामगढ़ श्रीमती शेषराज हरबंश, विधायक जैजैपुर बालेश्वर साहू, पूर्व विधायक केशव चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, गुलजार सिंह, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष गोस्वामी, कन्हैया राठौर, दुष्यंत सिंह, संदीप तिवारी, शिव तिवारी,



शैलेन्द्र पांडेय, कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर शंशाक सिंह, उप संचालक कृषि राकेश शर्मा, कृषकगण सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग जांजगीर द्वारा बांध में 78 प्रतिशत उपलब्ध जलभराव की जानकारी से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बैठक में हसदेव दांयी तट एवं बांयी तट प्रणाली में 05 जनवरी 2027 से 20 अप्रैल 2027 तक कृषकों के मांग के अनुरूप पानी प्रवाहित करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही संबंधित अभियंताओं को निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण कराने के कहा गया है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कृषि, सहकारी बैंक, मार्कफेड, बीज निगम में अधिकारियों को खाद बीज एवं कीटनाशक की आवश्यकता का तत्काल आंकलन कर आवश्यकता के अनुरूप भंडारण करने तथा समय पर किसानों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर ने बांध में जल उपलब्धता एवं नहरों की स्थिति के अनुरूप मैदानी अमलों को कृषको के साथ संयुक्त रूप से चर्चा कर रबी क्षेत्र का निर्धारण करने के निर्देश दिये गये है।

जीवन एक यात्रा पर प्रेरणादायक किताब लोगों की सोच बदलेगा

राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक की समाज सेवा किताबें बदलेगी लोगों की सोच

- **जय कौशिक की पुस्तक मुसाफिर- मंजिल की ओर बढ़ता कदम की खूब हो रही चर्चा**

जांजगीर-चांपा। मुसाफिर प्रेरणादायक पुस्तक सफर के बाद जय कौशिक की दुसरी काफी लोकप्रिय पुस्तक, किताबे शिक्षक के जीवन की यह बहुत बड़ी उपलब्धी होती है जब उनकी खुद के विचार और लेख समाज को संदेश देते हैं मुसाफिर मंजिल की ओर बढ़ता जय कौशिक द्वारा लिखित पुस्तक नवम्बर में



हर घर तक पहुंच जायेगा। यह किताब एक सुखद यात्रा है एक शिक्षक जो उन्होंने शिक्षकीय जीवन में बच्चों के चेहरे में खुशी भर कर कमाई है और घर परिवार दोस्त समाज को एक संदेश है कि जीवन का सफर एक ऐसी यात्रा है जिस पर हर व्यक्ति मुसाफिर है और हर सफर में एक अनुभव जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी बन जाती है जो उसे मंजिल तक पहुंचने के लिए प्रेरणा देती है। मंजिल पर हर व्यक्ति पहुंचना चाहता है जो जीवन में कमाई हुई खुशी होती है जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है सफर की शुरुआत यहां से होती है और समापन यादें खुशियो से होगी। इस संदेश के साथ इस पुस्तक में शिक्षक और विद्यार्थी सहित समाज के हर व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ संदेश देने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में कुछ ऐसे लेख है जो सबको प्रभावित करेंगे जीवन के रास्ते, भागदौड़,सीख,विश्वास, स्वयं के प्रति जिम्मेदारी, दिव्य अनुभव, सच्चा साथी कौन,जिगरी यार, वक्त,मेरी मंजिल, मैं और तुम, जीवन का सच्चा आनंद, व्यक्तित्व विकास , ध्यान, अंतिम सत्य, बेटी, खुशी, समर्पण,जीना सीखे,मुस्कान, खुद से मिलो, आंसू, चलते रहना, जिंदगी क्या है, केदारनाथ बद्रीनाथ, पशुपतिनाथ और अमरनाथ की यादें, मोड़ से घबराना कैसा, सफर से सम्मान तक की यात्रा और गहरी सोच,मैं राहों का मुसाफिर , प्रेम ही मेरा पथ है,पग पग पर, आंसू ऐसे विषय पर राज्यपाल शिक्षक सम्मान प्राप्त व्याख्याता जय कौशिक की प्रेरणादायक पुस्तक मुसाफिर में 30 दिन में जीवन बदले शिवपथ का अविराम यात्रा कैलाश मानसरोवर का सुख और परिवार समाज के साथ सुखद पल बिताने और हर पल को खुशियों से भरने का संदेश भी है।

मां-बाप दोनों से ज्यादा बच्चो का शुभचिंतक कोई नही

जय कौशिक की शिक्षकीय सोच और उनके मुसाफिर के संदेश बच्चो को सफलता की ओर ले जाता है हर एक पन्ने में मंजिल की ओर बढ़ता कदम का भाव है लेखक कहते हैं शिक्षक और मां-बाप दोनों से ज्यादा बच्चो का शुभचिंतक कोई नहीं होता है बच्चो पर विश्वास करने से बच्चो को सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है ऐसा संदेश मुसाफिर को और बेहतर बनाता है मुसाफिर का सार प्रेरणादायक कहानी के माध्यम से जीवन की सार्थकता को समझाने का प्रयास इस पुस्तक में किया गया है बच्चो और शिक्षको को यह प्रेरित करेगा आगे बढ़ने के लिए ,मंजिल तक सभी को पहुंचाने में मददगार होगा ।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के मौसम पर मंडराएगा चक्रवात का खतरा अंबिकापुर में 11 डिग्री पहुंचा तापमान

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम लगातार आगे बढ़ रहा है। यह आज स्पष्ट कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल सकता है। वहीं दो दिनों के बाद इसके चक्रवाती तूफ़ान रूप लेने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में फ़िलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है. बारिश को लेकर कोई चेतावनी नहीं है. इसके अलावा अगले 3 दिनों न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव के आसार नहीं है। चक्रवात रूप लेने के बाद इसके उत्तर की ओर बढ़ने से छत्तीसगढ़ का मौसम भी प्रभावित हो सकता है। प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होने वाली है. ऐसे में धान खरीदी केंद्रो और किसानों को अधिक तैयारी की जरूरत होगी। मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को प्रदेश में मौसम शुष्क रहा. रायपुर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अंबिकापुर में सबसे 11 डिग्री सेल्सियस रहा. प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। राजधानी में आज आसमान साफरहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है. प्रदेश के लिए मौसम विभाग ने किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है. अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क रहने और न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, 13 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे तक दक्षिण-पश्चिम-बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र उसी स्थान पर सक्रिय था. इससे जुड़ा ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण ङ्क समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और 14 नवंबर को स्पष्ट कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इसके बाद 15 नवंबर की सुबह के आसपास इसके अवदाब बनने और 16 नवंबर की शाम तक मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफ़ान के रूप में और अधिक तीव्र होने के आसार हैं।

जनजातीय गौरव दिवस पर धरमजयगढ़ में होगा शक्ति प्रदर्शन नहीं, गौरव और सम्मान का आयोजन: किरण देव सिंह

रायपुर। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नितिन नबीन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे। आयोजन में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए उनके योगदान को याद किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने आज अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 से 18 नवंबर तक युवा संवाद सहित विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जनजातीय समाज के प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। किरण देव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय समाज के विकास के लिए आवास, शिक्षा, महिला कल्याण और वन अधिकारों से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने नक्सलवाद के मुद्दे पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य रखा था। साथ ही कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि लंबे समय तक केंद्र में सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने जनजातीय समाज के लिए अलग मंत्रालय और योजनाओं को प्राथमिकता नहीं दी। प्रदेश अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि धरमजयगढ़ में आयोजित यह कार्यक्रम जनजातीय गौरव और समाज के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

रायपुर में अंतरराष्ट्रीय ज्ञान एवं शोध विद्यापीठ के नए कार्यालय का शुभारंभ, शिक्षा और अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान-संवर्धन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में रायपुर में अंतरराष्ट्रीय ज्ञान एवं शोध विद्यापीठ के नए कार्यालय का शुभारंभ किया गया। 13 नवंबर को मोवा के एकता नगर में आयोजित सादगीपूर्ण समारोह में भगवान श्रीगणेश और माता सरस्वती की पूजा-अर्चना के बाद कार्यालय का उद्घाटन किया गया। न्यूज़ हब इनसाइट केयर फाउंडेशन (एनएचआईसीएफ) की शैक्षणिक एवं शोध इकाई अंतरराष्ट्रीय ज्ञान एवं शोध विद्यापीठ के इस कार्यालय का उद्घाटन विद्यापीठ के कुलाधिपति एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक तथा कुलपति एवं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. चन्द्रभूषण वाजपेयी ने फीता काटकर किया इस अवसर पर कुलाधिपति डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह संस्थान उच्च स्तरीय शोध, बौद्धिक विकास और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। ज्ञान और अनुसंधान किसी भी समाज और राष्ट्र की वास्तविक प्रगति के आधार स्तंभ हैं।

जनजातीय नायकों के शौर्य, संघर्ष और बलिदान से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेने का आह्वान

जनजातीय समाज की सर्वांगीण विकास हमारी सरकार का संकल्प

- जनजातीय नायकों की गौरवगाथा से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनें : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय
- बिलासपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री, लगभग 120 करोड़ रुपए के 16 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास साहस, स्वाभिमान, संघर्ष और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा का इतिहास है। देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों के लिए जनजातीय नायकों ने जो त्याग और बलिदान दिया है, वह हमारी अमूल्य धरोहर है। हमें अपने महान जननायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा, आत्मनिर्भरता और विकास के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाना है तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है। मुख्यमंत्री श्री साय आज बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर लगभग 120 करोड़ रुपए की लागत के 16 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के महान जनजातीय नायकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका और जनजातीय समाज को



अपनी संस्कृति, परंपराओं तथा अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित किया। उन्होंने तीर-कमान के बल पर अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देकर साहस और स्वाभिमान का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समाज ने 1857 की क्रांति से पहले ही संघर्ष शुरू कर दिया था। छत्तीसगढ़ के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूख से व्याकुल लोगों की सहायता की और अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई। ऐसे महान जननायकों का संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में प्रदेश के जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास और उनके संघर्ष की स्मृतियों को संजोया गया है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से इस संग्रहालय का अवलोकन कर अपने महान पूर्वजों के योगदान को जानने और उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जनजातीय समाज के कल्याण के लिए पृथक जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन कर विकास को नई दिशा दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेशवासियों की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं को भी साकार किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ जनजातीय अंचलों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में जनजातीय बच्चों की शिक्षा को नई दिशा दी.....

- नियद नेल्ला नार योजना से बंद पड़े 421 स्कूल पुनः प्रारंभ

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज के समग्र उत्थान और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही शैक्षणिक योजनाएं धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय बहुल और सुदूर क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच को सुदृढ़ करने, शाला त्यागी दर (ड्रॉपआउट रेट) को न्यूनतम स्तर पर लाने और विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल शैक्षणिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान में राज्य के कक्षा पहली से 12 वीं तक के विद्यालयों में कुल 51 लाख 56 हजार 691 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। इनमें से 16 लाख 12 हजार 748 विद्यार्थी (31.27:) जनजातीय वर्ग से आते हैं। केवल शासकीय विद्यालयों की बात करें तो वहाँ अध्ययनरत आदिवासी विद्यार्थियों की संख्या 13 लाख 28 हजार 816 है, जो राज्य में जनजातीय शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान और विश्वास को दर्शाती है। राज्य के बस्तर संभाग और अति-संवेदनशील जिलों जैसे सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और दंतेवाड़ा में शिक्षा का ढांचा मजबूत करने में नियद नेल्लनार योजना वरदान साबित हुई है। इस योजना के तहत पूर्व में बंद पड़े 458 विद्यालयों में से 421 बंद स्कूलों को 30 अक्टूबर 2026 तक पुनः सफलतापूर्वक प्रारंभ कर लिया गया है। इससे नक्सल प्रभावित और दूरस्थ अंचलों के बच्चों को दोबारा मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ने का अवसर मिला है। राज्य सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा में आर्थिक एवं सामाजिक बाधाओं को दूर करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा 7.80 लाख से अधिक विद्यार्थियों को छात्रवृत्तिछात्रवृत्ति योजना से लाभान्वित किया गया है। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 54 हजार 225 छात्राओं को स्कूल आने-जाने के लिए सरस्वती साइकिल योजना से लाभान्वित की गई है।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प, स्थानीय उत्पादों और औद्योगिक क्षमताओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पवेलियन का शुभारंभ राज्य की रेजिडेंट कमिश्नर श्रुति सिंह ने किया। उद्घाटन के बाद श्रुति सिंह ने पवेलियन में लगाए गए विभिन्न विभागों, उद्यमियों, स्टार्टअप्स और प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉल संचालकों एवं प्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके उत्पादों, सेवाओं, नवाचारों और व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से युवा उद्यमियों के तकनीक आधारित उत्पादों, नए व्यावसायिक विचारों और नवाचारों में रुचि दिखाई।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस के खेत का रकबा भी शून्य

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी से पहले रकबा सत्यापन में गड़बड़ी का आरोप

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले किसानों के रकबे के सत्यापन का मामला अब राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है. प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने धान खरीदी की तैयारियों को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, पटवारियों की हड़ताल के कारण खेतों में लगी फसल का सत्यापन नहीं हो पा रहा है. इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है. कई किसानों के रिकॉर्ड में धान का रकबा शून्य दिखाई दे रहा है, जिससे उनके सामने समर्थन मूल्य पर धान बेच पाने को लेकर संकट खड़ा हो गया है. सिंहदेव ने अपना



उदाहरण देते हुए बताया कि पिछले साल धान बेचने के बावजूद इस बार उनके खेत का रकबा भी शून्य दिखाया जा रहा है। पटवारियों के हड़ताल पर रहने के कारण फसल की रिपोर्ट दर्ज नहीं हो सकी है. उन्होंने कहा, जब उनके खेत का रकबा शून्य दिख रहा है तो आम किसानों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है. धान खरीदी से पहले रकबे का सत्यापन नहीं होना किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। सिंहदेव ने लखनपुर जनपद क्षेत्र के एक सरपंच का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके खेत का रकबा शून्य दर्ज हो गया है और उस पर एक लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज भी है। रकबे में गड़बड़ी और कर्ज की चिंता से वह इतना परेशान हो गया कि आत्महत्या करने तक की बात कहने लगा. सिंहदेव ने कहा कि यह केवल सरकारी रिकॉर्ड में हुई गड़बड़ी का मामला नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर किसानों की जिंदगी और उनकी आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों के सामने ऐसी स्थिति बन गई है।

देश की वास्तविक प्रगति के आधार स्तंभ हैं ज्ञान और अनुसंधान-पाठक

- समाज के बौद्धिक और नैतिक उत्थान के लिए गुणवत्तापूर्ण ज्ञान-प्रसार बहुत ज़रूरी न्यायमूर्ति वाजपेयी

रायपुर। संवाददाता

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और ज्ञान-संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कल 13नवम्बर को एक नये विद्यापीठ के कार्यालय का शुभारंभ हुआ।न्यूज़ हब इनसाइट केयर फाउंडेशन (एन. एच. आई. सी. एफ) की शैक्षणिक एवं शोध इकाई अंतरराष्ट्रीय ज्ञान एवं शोध विद्यापीठ' का यह नवीन कार्यालय यहाँ मोवा के एकता नगर में खोला गया है ।शुभारंभ के सादगीपूर्ण समारोह में सबसे पहले भगवान श्री गणेश और माता सरस्वती की पूजा की गई। इस अवसर पर विद्यापीठ के कुलाधिपति, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह संस्थान उच्च स्तरीय शोध, बौद्धिक विकास और अकादमिक उत्कृष्टता के एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। डॉ. पाठक ने कहा कि ज्ञान और अनुसंधान ही किसी भी समाज और राष्ट्र की वास्तविक प्रगति के आधार स्तंभ हैं ।उन्होंने कहा कि विद्यापीठ का यह रायपुर कार्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शोध के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करेगा । नये विद्यापीठ के कुलपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के पूर्व जज, न्यायमूर्ति डॉ. चन्द्रभूषण वाजपेयी ने कहा कि समाज के बौद्धिक और नैतिक उत्थान के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध और निष्पक्ष ज्ञान-प्रसार बहुत ज़रूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह विद्यापीठ शिक्षाविदों, शोधार्थियों और युवाओं को एक ऐसा प्रतिष्ठित मंच प्रदान करेगा, जो न केवल अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भी नई चेतना जागृत करेगा । पूजा अर्चना के बाद कुलाधिपति डॉ. पाठक और कुलपति, न्यायमूर्ति डॉ. वाजपेयी ने फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया । कार्यक्रम में विद्यापीठ के सम-कुलपति डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव, कुलसचिव पंकज खंडेलवाल,उप-कुलसचिव: विष्णु कुमार तिवारी।

मीशो और यूट्यूब शॉपिंग ने की साझेदारी , देशभर के कंटेंट क्रिएटर्स को मिलेंगे कमाई के नए अवसर

रायपुर: मीशो ने यूट्यूब शॉपिंग के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इसका उद्देश्य देशभर के कंटेंट क्रिएटर्स को कमाई के नए अवसर देना है। इस साझेदारी के तहत योग्य यूट्यूब क्रिएटर्स अपने वीडियो, शॉर्ट्स और लाइव स्ट्रीम में सीधे मीशो के प्रोडक्ट्स को टैग कर सकेंगे। यूट्यूब के तय शत को पूरा करने वाले ऐसे क्रिएटर्स भी इस प्रोग्राम से जुड़ सकेंगे, जिनके कम से कम 500 सब्सक्राइबर्स हैं । क्रिएटर्स के वीडियो के जरिए खरीदारी होने पर उन्हें कमीशन मलेगा। इससे वे अपने दर्शकों को प्रोडक्ट्स की जानकारी देने के साथ साथ कमाई भी कर सकेंगे। लाखों प्रोडक्ट्स को प्रोमोट कर सकेंगे कंटेंट क्रिएटर्स। इस साझेदारी के जरए कंटेंट क्रिएटर्स को मीशो पर 40 केटेगरी में उपलब्ध 3 करोड़ से अधक प्रोडक्ट्स को प्रोमोट करने का मौका मलेगा। ये प्रोडक्ट्स 2 लाख से ज्यादा विक्रेताओं द्वारा उपलब्ध कराए जाते हैं । फैशन, ब्यूटी , घर के सजावट और रसोई के सामान जैसे कई प्रोडक्ट्स को क्रिएटर्स अपने रिव्यु वीडियो, स्टाइलिंग वीडियो, शॉपिंग वीडियो और लाइव स्ट्रीम में दिखा सकेंगे। इससे दर्शकों को अपनी पसंद के प्रोडक्ट्स के बारे में जानकारी मिलेगी और वे कुछ ही क्लिक में मीशो से खरीदारी भी कर सकेंगे। कंटेंट क्रिएटर्स के लिए कमाई के नए रास्ते, यूट्यूब पर किसी प्रोडक्ट्स से जुड़े वीडयो को लोग अपलोड होने के लंबे समय बाद भी सर्च करके देख सकते हैं ।

अन्नदाताओं के सम्मान और सुविधा के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े



- बलरामपुर उपार्जन केंद्र में तौल मशीन की पूजा-अर्चना कर किसानों का तिलक-माला से किया सम्मान
- किसान की मेहनत का हर दाना अनमोल, खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और सुविधा रखने दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर खरीदी व्यवस्था और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने परंपरा के अनुरूप तौल मशीन की पूजा-अर्चना की और धान बेचने पहुंचे किसानों का तिलक लगाकर तथा माला पहनाकर सम्मान किया। मंत्री ने किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनके साथ बैठकर तौल, टोकन, भुगतान सहित केंद्र की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। किसानों से संवाद करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धान का हर दाना किसान के महीनों के परिश्रम, धैर्य और उम्मीदों का परिणाम है। किसान जब अपनी उपज लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचता है, तो उसके साथ परिवार के सपने और जरूरतें भी जुड़ी होती हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसान को केंद्र में परेशानी न हो, उसकी उपज की सही तौल हो और मेहनत का पूरा मूल्य समय पर मिले। उन्होंने कहा कि किसानों का मान ही छत्तीसगढ़ की शान है। राज्य सरकार अन्नदाताओं के सम्मान और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र में तौल व्यवस्था, नमी जांच, बारदाना, स्टैकिंग, पेयजल और छाया सहित उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और समिति कर्मचारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए, तौल पारदर्शी तरीके से हो और किसी किसान को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरे में 40 किलोग्राम धान की भर्ती की जा रही है। नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य है तथा धान में अधिकतम 17 प्रतिशत नमी स्वीकार्य है। जिले में खरीदी के पहले दिन 37 केंद्रों में 6,584 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया, जो पिछले वर्ष के पहले दिन की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक है। मंत्री ने किसानों से 'तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से टोकन लेकर निर्धारित तिथि पर साफ-सुथरा और सूखा धान उपार्जन केंद्र लाने की अपील की।

श्री रामलला दर्शन योजना से साकार हो रहा हजारों श्रद्धालुओं का सपना

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष सहित जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को किया रवाना.....

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से अब तक 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालुओं को मिला श्री रामलला के दर्शन का सौभाग्य

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक आनंद की अनुपम सौगात बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सपना निरंतर साकार हो रहा है। इसी क्रम में आज 16 नवंबर को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। तीर्थयात्रियों के चेहरों पर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की खुशी और उत्सुकता स्पष्ट दिखाई दी। राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा, राजनांदगांव के महापौर श्री मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, श्री कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद श्री प्रदीप गांधी एवं श्री खुबचंद पारख ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विशेष ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों को सुखद, मंगलमय और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है।

संपादकीय

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का संकट, संसदीय समिति की बैठक से ही हटाया गया अहम मुद्दा

यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। जिस समय दिल्ली सहित समूचा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र प्रदूषण से उपजे संकट में घिरा दिखता है, वैसे में कायदे से होना यह चाहिए था कि सरकार इस मसले को सर्वोच्च प्राथमिकता में रख कर इससे निपटने के उपाय करती। इसके अलावा, इस समस्या को किसी राजनीतिक दायरे में रखकर देखने के बजाय सभी दलों के साथ विचार कर प्रदूषण पर काबू पाने के रास्ते खोजती। मगर इसके उलट आई यह खबर परेशान करने वाली है कि गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने 17 नवंबर को होने वाली अपनी बैठक के संशोधित एजंडे से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के महत्त्वपूर्ण मुद्दे को हटा दिया है।जबकि संसदीय समिति ने पांच नवंबर को अपनी बैठक के एजंडे में एक अहम मुद्दे के रूप में दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और नियामक उपायों की चर्चा शामिल की थी। दिल्ली और आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता की हालत को देखते हुए स्वाभाविक ही विपक्ष ने संसदीय समिति के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई और इस मुद्दे को फिर से बैठक के एजंडे में शामिल करने की मांग की।यह समझना मुश्किल है कि एक तरफ समूचे दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण एक गंभीर संकट के रूप में सार्वजनिक चर्चा और चिंता का विषय बन चुका है और दूसरी ओर, संसदीय समिति में प्रदूषण और वायु गुणवत्ता के सवाल को चर्चा तक से अलग क्यों हटाया जा रहा है। खासतौर पर दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक की स्थिति लगातार 'बहुत खराब' की श्रेणी में दर्ज की जा रही है। एक्यूआइ का स्तर कई इलाकों में चार सौ से भी ऊपर जाना यही बताता है कि यहां प्रदूषण पर काबू पाने के सारे उपाय या तो नाकाम हो गए हैं या फिर उन नियमों को लागू करने के मामले में घोर लापरवाही बरती गई है। डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के मुताबिक, पीएम 2.5 का वार्षिक औसत स्तर प्रति घनमीटर सिर्फ पांच माइक्रोग्राम होना चाहिए। वहीं दिल्ली में पटाखे चलाने के मसले पर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ और उस दिन यहां की हवा में सूक्ष्म प्रदूषण कण सीमा से चालीस गुना से ज्यादा पाए गए। सवाल है कि क्या सरकार इन्हीं मुद्दों पर चर्चा से बचना चाहती है। हैरानी की बात यह है कि वायु गुणवत्ता के मुद्दे को जहां संसदीय समिति की चर्चा से किनारे किया जा रहा है।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

(प्रह्लाद सबनानी)

देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है।



हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी।

इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है। भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है।

एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है।

केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

भारत में वर्ष 2011 से वर्ष 2023 के बीच 49.6 करोड़ नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सका है एवं रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण स्वच्छ भारत मिशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना, जल जीवन मिशन, दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना, आदि के सफल क्रियान्वयन से यह सम्भव हो सका है। वित्तीय समावेशन की सफलता ने भी इतनी बड़ी संख्या में गरीब नागरिकों को गरीबी रेखा के ऊपर लाए जाने ने अपना योगदान प्रदान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भी इस संदर्भ में गरीब वर्ग की बहुत मदद की है क्योंकि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता राशि अब सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है जिससे इस क्षेत्र में होने वाले भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकी है।

भारत में आज, पिछले 12 वर्ष पूर्व की तुलना में, अधिक शांति दिखाई देती है। देश में नागरिकों के बीच अशांति एवं दंगे आदि जैसी कुरीतियां कम हुई हैं। इन परिस्थितियों ने भारत में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। पूरे विश्व में भारत आज सबसे अधिक शांति प्रिय देश माना जा रहा है। इसी का परिणाम है कि शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष भारत में धन तेरस के पावन पर्व पर कुल 1.2 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्भव हो सका है। देश में एक दिन में ही 50 टन सोने का व्यापार हुआ है। 20,000 करोड़ रुपए की चांदी खरीदी गई है। सोना-चांदी मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए की खरीदारी की गई है। एक दिन में ही 5 लाख स्कूटर बिके हैं एवं लगभग एक लाख कारें बिकीं हैं। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष धन तेरस के दिन 20 प्रतिशत अधिक व्यापार हुआ है। दिवाली के पूरे मौसम में इस वर्ष कुल 6 लाख रुपए से 7 लाख करोड़ रुपए के बीच व्यापार होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत में छोटे छोटे अंतराल के बाद एक ऐसा त्यौहार मनाया जाता है जिसके चलते अर्थव्यवस्था में गति आ जाती है। जैसे, त्यौहारों का मौसम नवरात्रि से प्रारम्भ होता है, फिर दीपावली आती है इसके बाद होली आती है, प्रत्येक 3 माह के बाद कोई न कोई बड़ा त्यौहार आता है। इसी कारण से भारतीय अर्थव्यवस्था को त्यौहारी अर्थव्यवस्था का नाम भी दिया जाता है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है। धार्मिक पर्यटन उद्योग भी भारत में तेजी से आगे बढ़ रहा है जो अंततः भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहा है। कुछ विशिष्ट नगरों में निर्मित बड़े-बड़े मंदिर उस नगर की पूरी अर्थव्यवस्था को सम्हाल रहे हैं जिससे रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं गरीब नागरिकों की संख्या में लगातार कमी हो रही है।

(लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सबसे पहले छठ व्रत किसने किया था, इसलिए माताएं गीले आंचल से पोंछती है बच्चों का मुख

उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना।

(राकेश झा)

छठ पर्व का व्रत बिहार से लेकर विदेश तक होने लगा है। लोग सात समुद्र पार भी छठ मनाने लगे हैं। लेकिन आस्था का यह महापर्व कब और कैसे शुरू हुआ है। किसने पहली बार छठ किया था। इसके विषय में जड़ तक जाएं तो पता लगता है कि सतयुग में पहली बार छठ पर्व किया गया था। वहीं से संतान के लिए छठ पर्व करने का विधान भी बना। आइए जानें कैसे और किन परिस्थितियों में छठ पर्व शुरू हुआ।



छठ पर्व के बारे में आपने काफी सुना होगा। लेकिन आपको पता है कि सबसे पहले छठ का व्रत किसने किया था। आज जो छठ पर्व पर हजारों की संख्या में लोग छठ पर्व पर घर जाने के लिए पहुंच रहे हैं इस उत्साह और आस्था का आरंभ कहां से हुआ है।

अगर आप भी इस रहस्य को जानना चाहते हैं कि कैसे अब किसने पहली बार छठ पर्व मनाया था। तो इसका जवाब ढूंढने के लिए आपको हमारे साथ कई युग पीछे चलना होगा। क्योंकि छठ पर्व की शुरुआत की जो पहली कड़ी दिखती है उसका संबंध सतयुग से है।

उस समय सत्यधर्म से सृष्टि चल रही थी और धरती के राजा थे प्रियव्रत। कहते हैं कि इनके रथ के पहियों से सात समुद्र और सात द्वीपों का निर्माण हुआ है। संपूर्ण पृथ्वी पर उनका राज था लेकिन इन्हें बस एक बात की कमी थी, संतानहीन होना। ऐसे में राजा प्रियव्रत ने महर्षि कश्यप से पुत्रकामेष्टि यज्ञ करवाया और यज्ञ से जो प्रसाद प्राप्त हुआ वह रानी मालिनी को खिलाया। इससे रानी मालिनी गर्भवती हुईं।

समय आने पर रानी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन यह पुत्र जन्म के साथ ही मृत्यु को प्राप्त हो गया। दुखी मन से राजा प्रियव्रत अपने मरे हुए पुत्र को लेकर उसका अंतिम संस्कार करने वन मे आए। पुत्र शोक से मन में जीने की इच्छा भी समाप्त हो गई थी। ऐसे में उन्हें एक दिव्य प्रकाश दिखा। वह प्रकाश धीरे-धीरे राजा प्रियव्रत के समीप पहुंचा। उस प्रकाश के साथ एक देवी प्रकाशमान हो रही थीं। उस देवी से राजा प्रियव्रत ने पूछा कि हे देवी आप कौन हैं और यहां इस समय आपका क्यों आगमन हुआ है।

तब देवी ने कहा कि मैं ब्रह्माजी की मानस पुत्री हूं और सूर्य की बहन षष्ठी देवी हूं। हे राजन् मैं आपके इस मरे हुए पुत्र का नवजीवन प्रदान कर दूंगी। आप कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को अपने प्रजा के साथ मेरा पूजन कीजिए। मेरा पूजन करने से संतान की रक्षा होती है और निसंतान को संतान की प्राप्ति भी होती है। राजा प्रियव्रत ने देखा की उसका मृत पुत्र जीवित हो उठा है।

अपने पुत्र को वापस जीवित पाकर राजा प्रियव्रत अत्यंत प्रसन्न हुए और अपने नगर को लौट आए। इसके बाद इन्होंने कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को प्रजा के साथ मिलकर छठ व्रत किया। पृथ्वी पर इस समय पहली बार छठ पर्व मनाया गया था। इसके बाद राजा प्रियव्रत के कई संतान हुए और उन्होंने कई वर्षों तक धरती का राज भोगा। इसलिए छठ करने वाली माताएं छठ पर्व समाप्त होने पर अपने गीले आंचल से बच्चों का मुंह भी पोंछती हैं क्योंकि मान्यता कि इससे छठी देवी की कृपा होती है और दीर्घायु एवं आरोग्य की प्राप्ति होती है।

घुसपैठ के लिए मशहूर बांग्लादेश के लिए सिरदर्द बने रोहिंग्या घुसपैठिये

संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा।

(नीरज कुमार दुबे)

सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है? खुद घुसपैठ की समस्या को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाला बांग्लादेश आज रोहिंग्या घुसपैठियों की एक ऐसी बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, जिसने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सीमा प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। म्यांमार से लगी सीमा पर हालात लगातार विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक तरफ म्यांमार के रखाइन प्रांत में सशस्त्र संगठन अराकान आर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ हिंसा और विस्थापन से परेशान रोहिंग्या परिवार बांग्लादेश में दाखिल होने के रास्ते तलाश रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बांग्लादेश को म्यांमार की केंद्रीय सत्ता के बजाय अराकान आर्मी से भी बातचीत करनी पड़ रही है। यहां सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है?

15 लाख रोहिंग्या, बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ : हम आपको बता दें कि बांग्लादेश सरकार के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 11 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की म्यांमार संबंधी विशेष रैपोर्टियर केली ई. करी से मुलाकात के दौरान एक बेहद गंभीर आंकड़ा सामने रखा। उनके मुताबिक बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में संख्या इससे कम दर्ज है, लेकिन वास्तविक स्थिति कहीं ज्यादा बड़ी बताई जा रही है। इनमें से अधिकांश रोहिंग्या कॉक्स बाजार के शिविरों में रह रहे हैं। ये वे लोग हैं जो अगस्त 2017 में म्यांमार की सैन्य कार्रवाई के बाद अपना घर छोड़कर बांग्लादेश पहुंचे थे। बांग्लादेश के गृह मंत्री ने साफ कहा कि इतने बड़े शरणार्थी समुदाय को लंबे समय तक अपने यहां रखने से देश की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। ढाका ने अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय से म्यांमार पर समन्वित कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग की है। ढाका में सवाल उठ रहा है कि बांग्लादेश आखिर कब तक इस आबादी का बोझ उठाएगा? जब शरणार्थियों की वापसी का कोई ठोस रास्ता नहीं दिख रहा और सीमा पार हिंसा लगातार जारी है, तब ढाका के सामने संकट और गहराता जा रहा है।

म्यांमार की सीमा पर अब अराकान आर्मी का दबदबा : साथ ही बांग्लादेश की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में अब वहां की सैन्य सरकार का नियंत्रण पहले जैसा नहीं रह गया है। अराकान आर्मी ने बड़े भूभाग पर अपना कब्जा जमा लिया है और बांग्लादेश से लगी सीमा के बड़े हिस्से पर भी उसका प्रभाव है। यानी बांग्लादेश के सामने अब एक ऐसी ताकत खड़ी है, जो म्यांमार की आधिकारिक सरकार नहीं है, लेकिन सीमा के दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण उसी का है। यही वजह है कि बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने 8 नवंबर को खुलासा किया कि ढाका म्यांमार की सैन्य सरकार के साथ-साथ अराकान आर्मी से भी बातचीत कर रहा है। रोहिंग्याओं की वापसी के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने वाली समिति गठित की गई है और इस समिति के तहत दोनों पक्षों से संपर्क साधा जा रहा है। देखा जाये तो यह घटनाक्रम अपने आप में बांग्लादेश की कूटनीतिक मजबूरी को उजागर करता है। जिस संगठन के नियंत्रण वाले इलाके से रोहिंग्याओं का पलायन हो रहा है, उसी संगठन से अब बांग्लादेश को बातचीत करनी पड़ रही है। यह संकेत है कि म्यांमार की सीमा पर सत्ता और नियंत्रण का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है।

समुद्री रास्ते से घुसपैठ, 38 रोहिंग्या पकड़े गए : साथ ही सीमा पर बिगड़ते हालात का ताजा उदाहरण 38 रोहिंग्याओं की गिरफ्तारी है। बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड्स ने टेकनाफ इलाके में म्यांमार से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए पहुंचे 38 रोहिंग्याओं को हिरासत में लिया। इनमें आठ पुरुष, 14 महिलाएं और 16 बच्चे शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को नाव के जरिए बांग्लादेश लाने के लिए मोटी रकम वसूली गई थी। नाव से उतरने के बाद उन्हें एक स्थानीय महिला के घर में ठहराया गया था। सूचना मिलने पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने छापा मारकर सभी को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने की पुष्टि की है। यह घटना बताती है कि म्यांमार में जारी हिंसा अब बांग्लादेश की सीमा पर किस तरह दबाव बना रही है। घुसपैठ के लिए केवल जमीन का रास्ता ही नहीं, बल्कि समुद्री मार्ग भी इस्तेमाल हो रहा है। स्थानीय नाव मालिकों और बिचौलियों की भूमिका इस समस्या को और गंभीर बनाती है।

रोहिंग्याओं का संकट अब बांग्लादेश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती : देखा जाये तो रोहिंग्या संकट अब केवल शरणार्थियों को भोजन, आवास और चिकित्सा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गया है। कॉक्स बाजार में बड़ी संख्या में शरणार्थियों की मौजूदगी ने स्थानीय संसाधनों, रोजगार और सामाजिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। इसके साथ ही अवैध आवाजाही, मानव तस्करी और संगठित घुसपैठ के नेटवर्क की आशंकाएं भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती हैं। साथ ही म्यांमार के रखाइन प्रांत में अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्या समुदाय पर हिंसा, जबरन विस्थापन और आवाजाही पर पाबंदियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ब्रिटिश सरकार की जनवरी 2026 की देश संबंधी रिपोर्ट में भी अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्याओं के उत्पीड़न, मनमानी गिरफ्तारियों और आवाजाही पर प्रतिबंधों का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 और 2025 के दौरान हिंसा के कारण दो लाख तक रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे। ऐसे में बांग्लादेश के लिए मुश्किल दोहरी है। एक तरफ पहले से मौजूद 15 लाख से अधिक लोगों का बोझ है, दूसरी तरफ म्यांमार में जारी संघर्ष नए लोगों को सीमा पार करने के लिए मजबूर कर रहा है। यदि यह सिलसिला जारी रहा तो शरणार्थी शिविरों का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन पर दबाव और बढ़ सकता है।

भारत, चीन और अमेरिका की भूमिका पर टिकी निगाहें : उधर, बांग्लादेश अब इस संकट से निकलने के लिए भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रभावशाली पक्षों से म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर केली करी के साथ बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा। बहरहाल, देखना होगा कि क्या बांग्लादेश अपनी म्यांमार सीमा पर बदलते सत्ता समीकरणों के बीच प्रभावी नियंत्रण बनाए रख पाएगा? जब सीमा के दूसरी तरफ अराकान आर्मी का दबदबा है, म्यांमार की केंद्रीय सत्ता कमजोर है और समुद्री रास्तों से रोहिंग्याओं की आवाजाही जारी है, तब ढाका के सामने चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा और राष्ट्रीय स्थिरता बचाने की भी है। कुल मिलाकर, बांग्लादेश के लिए रोहिंग्या संकट अब एक ऐसा सुरक्षा और कूटनीतिक जाल बनता जा रहा है, जिससे निकलने का रास्ता फिलहाल नजर नहीं आ रहा है।

-(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

इटली ने मेटा पर लगाया 887 मिलियन डॉलर का जुर्माना, 60 दिन में फीचर बंद करने का दिया आदेश

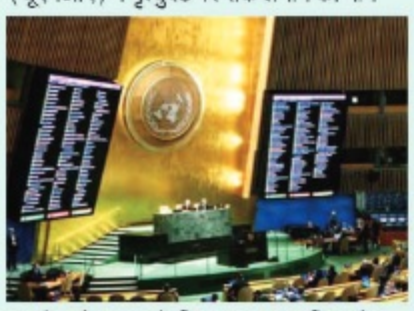
रोम, एजेंसी। इटली की डेटा सुरक्षा एजेंसी ने शनिवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स पर 805 मिलियन



यूरो (लगभग 887 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया। एजेंसी के अनुसार यह कार्रवाई उन आरोपों के बाद की गई है, जिनमें कहा गया था कि कंपनी ने एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं की सहमति या जानकारी के बिना उनकी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई। अथॉरिटी ने एक बयान में बताया कि मेटा ने फेसबुक ऐप के एक खास फीचर के जरिए इन फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई थी, जिसका कथित उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की पर्सनल गैलरी से कंटेंट को पोस्ट करने के लिए सुझाना था। एजेंसी ने मेटा को 60 दिनों का समय दिया है कि वह इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करे और उपयोगकर्ताओं से स्पष्ट सहमति ले। इस मामले पर मेटा की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। अथॉरिटी ने स्पष्ट किया कि 2025 में शुरू हुई यह जांच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल को ट्रेन करने के लिए कंटेंट के इस्तेमाल से जुड़ी नहीं थी—एक ऐसा दावा जिसे मेटा ने खारिज कर दिया है। हालांकि, एजेंसी ने 2026 में लॉन्च किए गए एक नए फीचर की अलग से जांच करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा है, जो गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करने की सुविधा देता है।

मृत्युदंड पर रोक लगाने की मांग से भारत ने बनाई दूरी, यूएन में प्रस्ताव के खिलाफ किया मतदान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में मृत्युदंड पर रोक लगाने की मांग



करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। इस प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक लगाने और इसे समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने की अपील की गई थी। शुक्रवार को 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान के बाद यह प्रस्ताव पारित हो गया। मैक्सिको की ओर से पेश किए गए मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक प्रस्ताव के पक्ष में 133 देशों ने मतदान किया, जबकि 33 देशों ने इसके विरोध में वोट दिया। वहीं, 16 देश मतदान से अनुपस्थित रहे। बहरीन, चीन, मिस्र, ईरान, इराक, जापान, कुवैत, मालदीव, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और अमेरिका सहित भारत ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। प्रस्ताव में मृत्युदंड के लगातार इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई गई। साथ ही सभी देशों के इस अधिकार को दोहराया गया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अपनी कानूनी व्यवस्था और उचित दंड तय कर सकते हैं। प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड पर रोक लगाने का आग्रह किया गया, ताकि भविष्य में इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, जिन देशों ने मृत्युदंड खत्म कर दिया है, उनसे इसे दोबारा लागू नहीं करने की अपील की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि दुनियाभर में मृत्युदंड के इस्तेमाल को सीमित करने का रुझान बढ़ने के बावजूद वर्ष 2025 में फांसी दिए जाने की दर्ज घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसे लेकर गहरी चिंता जताई गई। इसमें सभी देशों से धीरे-धीरे मृत्युदंड के इस्तेमाल को सीमित करने की अपील भी की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि 18 वर्ष से कम उम्र में अपराध करने वाले व्यक्तियों को मृत्युदंड नहीं दिया जाना चाहिए। साथ ही ऐसे मामलों में भी फांसी की सजा नहीं देने की अपील की गई, जहां अपराध के समय आरोपी की उम्र 18 वर्ष से अधिक होने की पुष्टि सटीक रूप से नहीं की जा सकती। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं, मानसिक या बौद्धिक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों और बुजुर्गों को मृत्युदंड देने पर रोक लगाने की अपील की गई।

ललित मोदी बने ब्रिटिश सिटीजन, 2025 में खत्म हुई थी भारतीय नागरिकता

लंदन , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के संस्थापक ललित मोदी को ब्रिटेन की नागरिकता मिल गई है। भगोड़े ललित मोदी ने शनिवार को जानकारी दी कि उन्होंने 15 सितंबर 2026 को आधिकारिक तौर पर ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त कर ली है।

ललित मोदी ने नागरिकता मिलने के बाद ब्रिटेन से ही कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की हैं। ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी ने यूनाइटेड किंगडम को ही अपना घर बताया है।

ललित मोदी की भारतीय नागरिकता 2025 की शुरुआत में ही खत्म हो गई थी। मार्च 2025 में पैसिफिक आइलैंड देश वानुअतु ने नागरिकता दी थी। लेकिन बाद में वानुअतु के प्रधानमंत्री ने उनका पासपोर्ट कैंसिल करवा दिया था। पीएम ने कहा था कि ललित प्रत्यर्पण से बचने नागरिकता ले रहे हैं। ललित मोदी को मिली ब्रिटेन की नागरिकता भगोड़े ललित मोदी ने शनिवार, 14 नवंबर को ब्रिटेन की नागरिकता मिलने की जानकारी दी। ललित मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, एक



गर्व का पल। एक नया अध्याय। ललित मोदी ने आगे लिखा, आज, 14 नवंबर 2026 को, मुझे ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का सौभाग्य मिला, जहां मैंने सबके सामने अपने जीवन के एक बहुत ही खास और व्यक्तिगत पड़ाव के बारे में बताया।

ललित मोदी की पोस्ट से पता चल रहा है कि उन्होंने दो महीने पहले की तस्वीरें पोस्ट की हैं। ललित मोदी ने अपने पोस्ट में बताया, मुझे ब्रिटिश नागरिक होने पर गर्व है। 15 सितंबर 2026 को, अपने परिवार और दोस्तों के बीच, मैंने अपनी ब्रिटिश नागरिकता का जश्न मनाया। यह समारोह हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा।

ललित मोदी ने आगे लिखा, यूनाइटेड किंगडम कई सालों से मेरा घर रहा है। यह एक ऐसा देश है जिसका मैं बहुत सम्मान करता हूं और जिसे दिल से पसंद करता हूं। यहां के लोग, संस्थाएं, परंपराएं और मूल्य। ललित मोदी ने ब्रिटेन की नागरिकता पर खुशी जताते हुए लिखा, ब्रिटिश नागरिक बनना एक सौभाग्य और एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे मैं गर्व, कृतज्ञता और अपनेपन की सच्ची भावना के साथ अपनाता हूं। ललित मोदी ने लिखा, मेरे जीवन का सफर अलग-अलग संस्कृतियों और अनुभवों से मिलकर बना है और मैं उस देश में सकारात्मक योगदान देना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं, जिसे मैं गर्व से अपना घर कहता हूं। ललित मोदी ने आगे लिखा, मेरे परिवार, दोस्तों और इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। साथ ही, इस खबर को साझा करने के लिए इतना यादगार अवसर देने के लिए ऑक्सफोर्ड यूनियन का भी शुक्रिया। ललित मोदी ने 14 नवंबर को ही इस बात की जानकारी क्यों दी, इस बारे में बताते हुए लिखा, एक नया अध्याय, जिसमें आगे देखने के लिए बहुत कुछ है और महामहिम किंग चार्ल्स तृतीय के जन्मदिन पर, इस पल को साझा करना इसे और भी खास बनाता है।

मैं चाहता हूं कि तुम मर जाओ, भारतीय मूल के एनवीडिया वीपी पर भड़के जेनसन हुआंग

वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग चीन की जासूस के साथ अफेयर को लेकर चर्चा में हैं। जेनसन हुआंग की एक कूल और बिंदास अंदाज वाले बॉस की छवि थी, लेकिन अब सच्चाई कुछ और ही सामने आ रही है।

न्यूयॉर्क पोस्ट को अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि भले ही बाहर से वे एक शांत और सहज इंसान लगते थे, लेकिन कंपनी के अंदर का माहौल बहुत तनावपूर्ण रहता था।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग अक्सर कर्मचारियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव करते थे और उन्हें अपशब्द कहते थे। एक बार तो उन्होंने ऑफिस में गुस्से में आकर एक सीनियर अधिकारी की तरफ पानी की बोतल भी फेंक दी थी।

एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग ने पिछले साल फरवरी में 30 से ज्यादा कंपनी अधिकारियों के साथ एक बंद कमरे की मीटिंग की थी। इस मीटिंग में हुआंग ने भारतीय मूल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जे पुरी पर काफी



ज्यादा गुस्सा किया था।

इस घटना की जानकारी रखने वाले एक सूत्र के मुताबिक, जेनसन हुआंग ने वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशन्स के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जे पुरी पर गुस्सा करते हुए कहा था, मैं चाहता हूं कि तुम्हें फ्लू हो जाए और तुम्हारी हालत और खराब हो जाए। मैं चाहता हूं कि तुम मर जाओ और हम सबको इस मुसीबत से छुटकारा दिला दो। सूत्र ने बताया कि हालांकि जेनसन हुआंग का चिल्लाना आम बात थी, लेकिन उनकी इस टिप्पणी ने वहां मौजूद सभी लोगों को हैरान और चुप कर दिया था।

एक अन्य मौके पर, जेनसन हुआंग ने एक सीनियर लीडर को मीटिंग से बाहर निकाल दिया था, जबकि यह उस अधिकारी की हुआंग के साथ पहली ही मीटिंग थी। हुआंग चिल्लाए, क्या तुम मुझ पर हंस रहे हो? मुझे यहां बस मुर्दा चेहरे दिख रहे हैं, बाहर निकलो!

कंपनी के अंदर के लोगों ने कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में स्थित एनवीडिया के मुख्यालय की एक घटना का भी जिक्र किया, जहां हुआंग ने एक मीटिंग के दौरान एक टॉप एग्जीक्यूटिव की तरफ पानी की बोतल फेंक दी थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में इस हफ्ते छपे द थिंकिंग मशीन के लेखक स्टीफन विट ने लिखा है कि हुआंग का विनम्र सार्वजनिक व्यवहार असल में उनके अहंकार को छिपाने का एक तरीका था।

लंदन में हलाल फूड न परोसने पर भारतीय रेस्तरां के बाहर हंगामा

लंदन , एजेंसी। लंदन के एक भारतीय रेस्तरां में शुक्रवार को उस वक्त अजीब सी स्थिति बन गई जब उसके बाहर लोग खड़ा होकर प्रदर्शन करने लगे। लोग रेस्तरां बंद करने की मांग कर रहे थे।

मामला है पश्चिम लंदन का। यहां पर भारतीय रेस्तरां ने हलाल खाना बेचने से इनकार किया तो कुछ लोगों को ये पसंद नहीं आया। वो लोग रेस्तरां को बंद करने की मांग के साथ उसको बंद करने की मांग कर प्रदर्शन करने लगे।

हालात खराब होते देख कर पुलिस को बुलाना पड़ा। भीड़ को दूर रखने के लिए पुलिसकर्मियों ने रेस्तरां के बाहर एक कतार बना ली। हैमरस्मिथ में स्थित इस रेस्तरां का नाम सिंह्स डाइनिंग है (जिसे पहले रंगरेज़ के नाम से जाना जाता था)। इस होटल का मालिकाना हक हरमन सिंह कपूर के पास हैं। डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार, रेस्तरां के बाहर निजी सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए थे। बताया जा रहा है कि इन्हें अभिनेता जॉन क्लीज़ ने काम पर रखा था, जिन्होंने पहले भी इस रेस्तरां का समर्थन किया है। इस घटना के बाद से रेस्तरां के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारी फिलिस्तीन के झंडे लहराते और अल्लाहु अकबर, शेम ऑन यू (शर्म



करो) और फ्री फिलिस्तीन जैसे नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। रेस्तरां के सामने एक बोर्ड भी लगा है, जिस पर लिखा है- हमें गर्व है कि हम हलाल नहीं बेचते। इस विवाद के बाद रेस्तरां मालिक को जान से मारने की धमकी मिल रही है। उनके परिवार को भी इसी तरह की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि इस विवाद से उनके कारोबार को आर्थिक नुकसान पहुंचा है।

मैंने ही रची थी पन्नू को मारने की साजिश, अमेरिकी जज को लिखे पत्र में भारतीय मूल के निखिल गुप्ता ने मांगी माफी



वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के निखिल गुप्ता पर अमेरिका में हत्या के प्रयास के मामले में मुकदमा चल रहा है। इस मामले में निखिल गुप्ता को 20 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। सजा के एलान से पहले निखिल गुप्ता ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज विक्टर मारेरो को एक पत्र लिखकर माफी मांगी है और अपने अपराध पर पछतावा जताया है। निखिल गुप्ता ने अमेरिकी जज को लिखे अपने पत्र में गिरफ्तारी के बाद की मानसिक उथल-पुथल के बारे में भी बताया। उसने स्वीकार किया कि 2023 की शुरुआत में वह जो इंसान बन गया था, उसे खुद भी पहचान नहीं पा रहा था। निखिल गुप्ता ने पत्र में लिखा, मेरा मानसिक संतुलन बिगड़ गया था... काश मैं समय को पीछे ले जाकर 2023 में अपनी गलतियों को सुधार पाता। निखिल गुप्ता ने लिखा, उस समय मेरे सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने परिवार से संपर्क करने की थी, ताकि उन्हें बता सकूं कि मैं जिंदा हूं और उन्हें हालात की जानकारी दे सकूं। लेकिन, अमेरिकी कानून तोड़ने वाले के रूप में मुझ पर लगी कई पाबंदियों की वजह से मैं कई हफ्तों तक ऐसा नहीं कर सका... जज को लिखे अपने पत्र के अंत में, निखिल गुप्ता ने कहा कि अदालत जो भी फैसला सुनाएगी, वह उसे स्वीकार करेगा। निखिल ने इस पत्र में यह भी बताया कि कैसे अत्यधिक शराब पीने और निजी संघर्षों के कारण उसकी सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हो गई थी। उसने खुलासा किया कि हिरासत के शुरुआती दिनों में उसे आत्महत्या के गंभीर विचार आते थे। उसे लगातार इस बात की चिंता सताती थी कि उसने अपनी पत्नी, बच्चों, मां, परिवार और अपनी दो बिल्लियों को कितना गहरा दुख पहुंचाया है। 20 नवंबर को होने वाली सजा की सुनवाई से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज दाखिल किए गए हैं। हाल ही में, संघीय अभियोजकों ने अदालत से अनुरोध किया।

मजाक-मजाक में मर्यादा भूले ऑस्ट्रेलियाई पीएम, मंत्री को दिया आपत्तिजनक जवाब

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और उनके जलवायु मंत्री क्रिस बोवेन के बीच हुई बातचीत कैमरे में कैद हो गई। हॉट-माइक (गलती से चालू रह गए माइक्रोफोन) पर रिकॉर्ड हुई इस बातचीत में प्रधानमंत्री ने मंत्री को मोबाइल फोन दिल के करीब रखने से बचने की सलाह दी। हालांकि, बातचीत ने तब दिलचस्प मोड़ ले लिया, जब मोबाइल फोन को शरीर के दूसरे अंगों से दूर रखने को लेकर चर्चा शुरू हो गई। यह बातचीत 31वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान एक ब्रेक के समय हुई। दोनों नेता मोबाइल फोन को शरीर के अलग-अलग हिस्सों के पास रखने से होने वाले संभावित स्वास्थ्य प्रभावों पर बात कर रहे थे। आरटी की ओर से साझा किए गए वीडियो में दोनों के बीच हुई यह बातचीत सुनाई दे रही है।

फोन को दिल के पास रखने से क्यों मना किया?: बातचीत की शुरुआत प्रधानमंत्री अल्बनीज ने जलवायु मंत्री क्रिस बोवेन से यह पूछकर की कि क्या वह दाएं हाथ से काम करते हैं। बोवेन के हां कहने पर अल्बनीज ने पूछा कि क्या वह अपना मोबाइल फोन ब्लेजर की बाईं छाती वाली जेब में रखते हैं। मंत्री ने बताया कि वह आमतौर पर ऐसा ही करते हैं।

इस पर प्रधानमंत्री ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी। जब बोवेन ने पूछा कि क्या उन्हें फोन दूसरी तरफ की जेब में रखना चाहिए, तो अल्बनीज ने कहा कि मोबाइल को दिल से दूर रखना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे फोन से निकलने वाले सिग्नल और हृदय की



धड़कन पर उनके संभावित प्रभाव का हवाला दिया। अल्बनीज ने कहा, इसे यहां रखो, दिल से दूर। क्योंकि यह संदेश भेजता रहता है। यह हृदय की गति को प्रभावित कर सकता है। इस पर बोवेन ने मजाकिया अंदाज में मोबाइल फोन से निकलने वाले रेडिएशन को थोड़ा रेडियोएक्टिव बताया। प्रधानमंत्री ने भी उनकी बात से सहमति जताते हुए कहा कि यह बात बिल्कुल समझ में आती है।

प्राइवेट पार्ट को लेकर करने लगे मजाक: इसके बाद बातचीत ने अचानक हास्यपूर्ण मोड़ ले लिया। बोवेन ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर मोबाइल फोन को पैंट की जेब में रखने को लेकर ज्यादा चिंतित रहते हैं। उन्होंने बताया कि अब उन्होंने फोन को पैंट की जेब में रखना बंद कर दिया है। इस पर अल्बनीज ने मजाकिया अंदाज में पूछा, क्या अपने प्राइवेट पार्ट की वजह से? बोवेन ने जवाब दिया, हां, यह काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ मायनों में यह दिल से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। दोनों नेताओं के बीच हुई यह बेबाक बातचीत आरटी की ओर से साझा किए गए वीडियो के बाद चर्चा में आ गई। अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन जैसे गंभीर मंच पर प्रधानमंत्री और उनके मंत्री के बीच इस तरह की अनौपचारिक बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा।

मोबाइल रेडिएशन और शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर क्या कहती है स्टडी: मोबाइल फोन से निकलने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन और पुरुषों की प्रजनन क्षमता के बीच संभावित संबंध को लेकर पहले भी अध्ययन किए गए हैं। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के माध्यम से उपलब्ध 2014 के एक अध्ययन में सीधे मोबाइल फोन रेडिएशन के संपर्क का शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर प्रभाव जांचा गया था।

अध्ययन में रेडिएशन के संपर्क में आए समूह और संपर्क में नहीं आए समूह की तुलना की गई। इसमें रेडिएशन के संपर्क वाले समूह में शुक्राणुओं की आगे बढ़ने की क्षमता (प्रोग्रेसिव मोटिलिटी) कम और डीएनए फैगमेंटेशन अधिक पाया गया। अध्ययन के निष्कर्षों में मोबाइल फोन रेडिएशन के संपर्क, शुक्राणुओं के डीएनए में टूट-फूट और उनकी गतिशीलता में कमी के बीच संबंध की बात कही गई।

सात समंदर पार भी छठ की धूम: भारत न लौट सके तो अमेरिका को ही बना दिया बिहार, विदेशी धरती पर सजा लिए देसी घाट

न्यूयार्क, एजेंसी। सात समंदर पार अमेरिका में भी छठ महापर्व की रौनक देखने को मिल रही है। भारत से दूर रहने वाले प्रवासी भारतीय अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजने के लिए पूरे उत्साह से इस पर्व को मना रहे हैं। जो परिवार छठ के अवसर पर भारत नहीं पहुंच सके, उन्होंने अमेरिका में ही घाट सजाकर सूर्य उपासना की तैयारियां शुरू कर दी हैं। न्यूयॉर्क और ह्यूस्टन समेत कई शहरों में छठ की तैयारियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाली निधि मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम खाते ञ्जनिधि मिश्रा सिंग्सयु से एक वीडियो साझा किया है। इसमें अमेरिका के एक नदी या जलाशय के किनारे छठ घाट सजाया गया दिखाई दे रहा है। घाट पर रंग-बिरंगे झंडे लगाए गए हैं और जमीन पर सजावट के लिए पत्तियां बिछाई गई हैं। ठंड



के मौसम के बावजूद लोग गर्म कपड़े पहनकर पूजा की तैयारियों में जुटे दिखाई दे रहे हैं।

निधि ने वीडियो के साथ लिखा, अमेरिका की धरती पर बिहार की मिट्टी की खुशबू। वीडियो देखकर महसूस होता है कि हजारों किलोमीटर की दूरी भी लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से अलग नहीं कर पाई है। टेक्सास के ह्यूस्टन में भी छठ महापर्व को लेकर जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। रोजनबर्ग स्थित जगन्नाथ हिंदू मंदिर में भारतीय समुदाय के लोग मिलकर घाट की सफाई और सजावट कर रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर ऋचा मिश्रा के वीडियो में महिलाएं और पुरुष एक साथ सफाई करते, केले के पत्ते काटते और रोशनी की व्यवस्था करते दिखाई दे रहे हैं। यहां छठ ह्यूस्टन दिस वे जैसे संकेतक भी लगाए गए हैं।छठ ह्यूस्टन की वेबसाइट के मुताबिक, इस साल 60 से अधिक परिवारों ने आयोजन के लिए पंजीकरण कराया है। पूजा का कार्यक्रम पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार रखा गया है। बाद सोशल मीडिया पर लोग अपनी भावनाएं जाहिर कर रहे हैं। किसी ने भारतीय संस्कृति पर गर्व जताया तो किसी ने लिखा कि सात समंदर पार भी परंपराएं जीवित हैं। कई लोगों का कहना है कि विदेश में रहने वाले परिवारों के लिए ऐसे सामूहिक आयोजन बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का अच्छा माध्यम हैं। प्रवासी भारतीयों ने यह भी बताया कि भारत नहीं पहुंच पाने का अफसोस जरूर है, लेकिन अमेरिका में ही घाट सजाकर और पूरे विधि-विधान से पूजा करके उन्हें अपने घर और मिट्टी से जुड़े रहने का एहसास मिलता है। पूजा के लिए महिलाएं पारंपरिक साड़ियों में और पुरुष पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहे हैं।

आसमान में उड़ने से पहले जमीन पर टकराए दो विमान, यात्रियों में मचा हड़कंप

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। यहां दो विमान एक ही रनवे के जंक्शन पर पहुंच गए और आपस में टकरा गए। इनमें एक यूपीएस का बोइंग 767 कार्गो विमान था, जबकि दूसरा कोपा एयरलाइंस का बोइंग 737 यात्री विमान था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दूसरे के विंग को नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शनिवार (14 नवंबर) रात करीब 9:15 बजे की है। मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर ग्रेग चिन ने बताया कि यूपीएस का बोइंग 767 कार्गो विमान और कोपा एयरलाइंस का बोइंग 737 यात्री विमान एक ही समय पर रनवे के जंक्शन यानी लिंक टैक्सीवे पर पहुंच गए थे। इसी दौरान दोनों विमानों के बीच टक्कर हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई और अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए। जानकारी के मुताबिक, कोपा एयरलाइंस के बोइंग 737 यात्री विमान का विंग यूपीएस के बोइंग 767 कार्गो विमान से टकरा गया। इस टक्कर में कार्गो विमान का अगला हिस्सा यानी नोज क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि यात्री विमान के विंग को नुकसान पहुंचा। टक्कर के दौरान विमान में मौजूद यात्रियों को झटके महसूस हुए।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर कार्रवाई, 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त



बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनिज अमले ने ग्राम इटवा-पाली एवं पहँदा में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त कुल 8 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं।खनिज अमले द्वारा ग्राम इटवा-पाली में रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर 4 ट्रैक्टर मय ट्रॉली जब्त किए गए। जब्त वाहनों को खनिज जांच चौकी लावर की अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार 16 नवंबर को ग्राम पहँदा में रेत का अवैध उत्खनन करते पाए गए 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर पुलिस चौकी बेलगहना की अभिरक्षा में रखे गए हैं।

बिना वाइब्रेटर के बनाई जा रही नाली पर निगम ने लिया एक्शन, रातों रात तुड़वाया

कोरबा। स्व. बिसाहू दास महंत मेडिकल कॉलेज परिसर में नगर निगम द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण की गुणवत्ता को लेकर नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और निर्माण में कथित तकनीकी लापरवाही को लेकर कार्यवाही करते हुए बिना वाइब्रेटर के बनाई गई पूरी नाली को रातों-रात तुड़वा दिया। अब ठेकेदार को नए सिरे से निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप नाली का निर्माण कराना होगा।दरअसल, मेडिकल कॉलेज परिसर में नगर निगम की ओर से नाली निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण कार्य के दौरान कंक्रीट की ढलाई में वाइब्रेटर का इस्तेमाल नहीं किए जाने पर सवाल उठे थे। मौके पर मौजूद ठेकेदार के मिस्त्री ने भी स्वीकार किया था कि वाइब्रेटर पिछले दो-तीन दिनों से खराब पड़ा है। इसके अलावा निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सरिया की गुणवत्ता और निर्धारित तकनीकी मापदंडों के पालन को लेकर भी सवाल खड़े किए गए थे। निगम प्रशासन निर्माण की गुणवत्ता को निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। इसके बाद बिना वाइब्रेटर के तैयार की गई नाली को हटाने का निर्णय लिया गया और पूरी नाली को तुड़वा दिया गया। कुछ ही घंटों के भीतर हुई इस कार्यवाही से स्पष्ट हुआ कि निर्माण कार्य में सामने आई तकनीकी खामियों को लेकर निगम प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

धूल और प्रदूषण से मिलेगी राहतः 26 नवंबर से मानिकपुर रेलवे साइडिंग में बाहरी कोयला लोडिंग होगा बंद

कोरबा। शहर के लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मानिकपुर रेलवे साइडिंग में 26 नवंबर से बाहरी कोयला लोडिंग का काम बंद कर दिया जाएगा। लंबे समय से धूल, प्रदूषण और भारी वाहनों की आवाजाही से परेशान आसपास के रहवासियों को इससे राहत मिलने की उम्मीद है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीआईटीयू) की कोरबा जिला समिति ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी है। दरअसल, कोरबा रेलवे स्टेशन की सेकेंड एंट्री के पास स्थित मणिकपुर रेलवे साइडिंग लंबे समय से कोयला लोडिंग गतिविधियों का केंद्र रही है। यहां से उड़ने वाली कोयले की धूल और भारी वाहनों की लगातार आवाजाही ने आसपास के आवासीय क्षेत्रों के लोगों के साथ रेल यात्रियों की परेशानियां भी बढ़ा रखी थीं। धूल प्रदूषण के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सीआईटीयू का कहना है कि इस समस्या को लेकर रेलवे प्रबंधन के समक्ष लगातार मांग उठाई जाती रही है। आखिरकार 26 नवंबर से बाहरी कोयला लोडिंग बंद करने का निर्णय लिया गया है। खास बात यह है कि कोरबा रेलवे स्टेशन की सेकेंड एंट्री पर यात्री सुविधाओं की शुरुआत वर्ष 2006 में हुई थी, लेकिन पास में कोयला हैंडलिंग गतिविधियां जारी रहने से इस क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति और आवागमन व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक एसईसीएल की मानिकपुर कोयला लोडिंग सुविधा में साइलो सिस्टम के माध्यम से लोडिंग का काम पहले ही शुरू किया जा चुका है। वहीं, 26 नवंबर से बाहरी लोडिंग बंद होने के बाद रेलवे प्रशासन को सेकेंड एंट्री के आसपास बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं में सुधार करने का अवसर मिलेगा। इस संबंध में 11 नवंबर को बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधन सहित संबंधित अधिकारियों और श्रम संघ प्रतिनिधियों के बीच चर्चा भी हुई थी। बैठक में सीआईटीयू के प्रतिनिधि वी.एम. मनोहर, अनुप सरकार, जी. राजेश, विमल, साजी जॉन और बीनू वर्गिस सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बिलासपुर में पीएम स्वनिधि का संभाग स्तरीय सम्मेलन, उप मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों से सुनी आत्मनिर्भरता की कहानियां

मेहनत को मिली पूंजी,छोटे कारोबारियों के सपनों को उड़ान दे रही पीएम स्वनिधि

■ स्मार्ट ठेला पंजीयन का शुभारंभ; उत्कृष्ट हितग्राही, प्रतिभाशाली बच्चे, बैंक और नगरीय निकाय सम्मानित



बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि ठेला-खोमचा लगाकर और छोटे व्यवसाय से परिवार चलाने वाले लोगों की मेहनत को पीएम स्वनिधि योजना ने पूंजी का सहारा दिया है। कभी साहूकारों का ब्याज चुकाने में खर्च हो जाने वाली कमाई अब कारोबार बढ़ाने, बच्चों की पढ़ाई और परिवार की खुशहाली में काम आ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि छोटे कारोबारी आर्थिक रूप से मजबूत बनें और सम्मान के साथ आगे बढ़ें। एक-एक परिवार आत्मनिर्भर होगा, तभी प्रदेश और देश विकसित होगा। श्री साव आज लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों के संभाग स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छोटे व्यवसायियों का जीवन संघर्ष और परिश्रम से भरा होता है। पहले कारोबार के लिए साहूकारों से कर्ज लेना पड़ता था और मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा ब्याज में चला जाता था। कोरोना काल में इन परिवारों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उनकी कठिनाइयों को समझा और वर्ष 2020 में पीएम स्वनिधि योजना शुरू की। बिना गारंटी के आसान ऋण उपलब्ध होने से लाखों पथ विक्रेताओं को अपना कारोबार फिर खड़ा करने और आगे बढ़ाने का अवसर मिला। श्री साव ने कहा कि योजना में समय पर ऋण चुकाने वाले हितग्राही क्रमशः 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपए तक का ऋण लेकर व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं। उन्होंने हितग्राहियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि नियमित भुगतान कर अगले चरण का लाभ लें, आमदनी बढ़ाएं और बच्चों को अच्छे विद्यालयों में पढ़ाएं। सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी जुड़ें, ताकि पूरा परिवार सक्षम बने। उन्होंने डिजिटल लेनदेन अपनाने और पात्र हितग्राहियों के लिए उपलब्ध 30 हजार रुपए तक की यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में स्मार्ट ठेला पंजीयन का शुभारंभ और इसके पोस्टर का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि पथ विक्रेताओं को पहचान पत्र मिलने से व्यवसाय करने में सुविधा होगी। श्री साव ने हितग्राहियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया, बिक्री और आमदनी के बारे में आत्मीयता से चर्चा की तथा कारोबार बढ़ाने के उनके प्रयासों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर हितग्राहियों को यूपीआई से जुड़े डिजिटल भुगतान साउंड बॉक्स वितरित किए गए। सफल पथ विक्रेताओं और उनके प्रतिभाशाली बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया। श्री साव ने कहा कि बिलासपुर लगातार उपलब्धियों के नए अध्याय जोड़ रहा है। स्वच्छता के क्षेत्र में बिलासपुर को देश में दूसरा तथा छोटे शहरों की श्रेणी में बिल्हा को पहला स्थान मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर में प्रदेश की पहली ऑटोमेटेड कार पार्किंग का उद्घाटन किया है। अब पीएम स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलने जा रहा है।

करगी रोड सलकारोड स्टेशनों के मध्य नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन का आयुक्त ने किया निरीक्षण...

■ 08 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत तीसरी रेल लाइन पर संरक्षा एवं तकनीकी मानकों की हुई विस्तृत जांच



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुर-कटनी-झारोड रेलखंड में रेल अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए करगी रोड एवं सलकारोड स्टेशनों के मध्य नवनिर्मित 08 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत तीसरी रेल लाइन का आज दक्षिण पूर्व परिमण्डल के रेल संरक्षा आयुक्त श्री सुमित सिंघल द्वारा विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य इस नवनिर्मित रेल लाइन की संरक्षा व्यवस्था, निर्माण गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों का परीक्षण करने के साथ-साथ इस पर यात्री एवं मालगाड़ियों के सुरक्षित परिचालन की उपयुक्तता सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने मोटर ट्राली से पूरे रेलखंड का गहन परीक्षण किया। इस दौरान रेल पथ, पुल-पुलियों, समपार फाटकों, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली तथा अन्य संबंधित रेलवे परिसंपत्तियों की तकनीकी एवं संरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया गया। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा करगी रोड एवं सलकारोड स्टेशन पेनल रूम एवं यार्ड का गहन निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण उपरांत नवनिर्मित तीसरी रेल लाइन पर ओएमएस स्पेशल के माध्यम से स्पीड ट्रायल किया गया रेल संरक्षा आयुक्त से निर्धारित प्रक्रिया के तहत अंतिम स्वीकृति प्राप्त होने के बाद इस रेल लाइन पर यात्री एवं मालगाड़ियों का परिचालन प्रारंभ होगा । जिससे मौजूदा रेल नेटवर्क पर यातायात का दबाव कम करने, ट्रेनों के आवागमन को अधिक सुगम बनाने तथा भविष्य में बढ़ती रेल परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने पीएम स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स के स्टॉल्स का किया अवलोकन,गुपचुप और फरा का लिया स्वाद



बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज बिलासपुर में स्वनिधि महोत्सव में पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों द्वारा लगाए गए फूड और सामग्रियों के स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया, बिक्री और आमदनी के बारे में आत्मीयता से चर्चा की तथा कारोबार बढ़ाने के उनके प्रयासों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्टॉल्स के भ्रमण के दौरान अन्य अतिथियों के साथ कुल्हड़ में चाय, गुपचुप और फरा का स्वाद भी लिया। 'कुल्हड़ पर चौपाल' में महिला पथ विक्रेताओं से हुए रू-ब-रू, सुनी आत्मनिर्भरता की कहानियां- उप मुख्यमंत्री श्री साव ने स्वनिधि महोत्सव में आयोजित 'कुल्हड़ पर चौपाल' में पीएम स्वनिधि योजना के महिला लाभार्थियों के साथ मिट्टी के कुल्हड़ में चाय पीते हुए आत्मीय संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनके व्यवसाय, अनुभवों और पीएम स्वनिधि योजना से मिले लाभों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान महिला हितग्राही काफी उत्साहित नजर आईं। सहज और आत्मीय वातावरण में हुई इस चर्चा ने महोत्सव को खास बना दिया। कुल्हड़ के उपयोग के माध्यम से स्थानीय परंपरा को प्रोत्साहित करने और प्लास्टिक के विकल्प को अपनाने का संदेश भी दिया गया।

पीएम स्वनिधि योजना ने श्रीमती कृष्णा साहू के स्वरोजगार को दी नई ताकत, मेहनत से लिख रहीं सफलता की कहानी

■ 15 हजार रुपए की ऋण सहायता से व्यवसाय को मिला आर्थिक संबल, हर महीने 10 से 15 हजार रुपए की कर रहीं कमाई

■ पीएम स्वनिधि महोत्सव में दिखी छोटे व्यवसायियों की आत्मनिर्भरता की झलक



बिलासपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों के सपनों को नई उड़ान देने के साथ ही उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ा रही है। सीमित संसाधनों के बीच अपनी आजीविका चलाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स के लिए यह योजना बड़ा सहारा बन रही है। योजना से मिलने वाली ऋण सहायता उनके व्यवसाय को मजबूती देने के साथ ही आगे बढ़ने का हौसला भी प्रदान कर रही है। इसकी एक प्रेरक मिसाल हैं बिलासपुर के भारती नगर निवासी श्रीमती कृष्णा साहू, जो पीएम स्वनिधि योजना का लाभ लेकर चाय-नाश्ते के अपने छोटे से व्यवसाय को आगे बढ़ा रही हैं। वे हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपए की कमाई कर रही हैं। श्रीमती कृष्णा साहू को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 15 हजार रुपए की ऋण सहायता प्राप्त हुई है। इस आर्थिक सहयोग से उनके व्यवसाय को संबल मिला है। वे अपने छोटे से होटल में चाय के साथ बड़ा-भजिया बनाकर बेचती हैं। रोजमर्रा की मेहनत और लगन से उनका यह व्यवसाय नियमित आय का जरिया बना हुआ है। उनके लिए यह छोटी सी दुकान केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की पहचान भी है। पीएम स्वनिधि योजना से मिले सहयोग ने उनके स्वरोजगार को मजबूती प्रदान की है। लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आज आयोजित पीएम स्वनिधि हितग्राहियों के संभाग स्तरीय सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। यहां विभिन्न स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने स्टॉल लगाकर अपने व्यवसाय और उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन्हीं में श्रीमती कृष्णा साहू भी शामिल थीं, जिन्होंने चाय-नाश्ते का स्टॉल लगाया। महोत्सव में छोटे व्यवसायियों की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। यह आयोजन उन मेहनतकश हाथों के सम्मान का अवसर बना, जो अपने छोटे-छोटे सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। श्रीमती कृष्णा साहू की सफलता बताती है कि सही समय पर मिलने वाली छोटी सी आर्थिक सहायता भी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव लाने का माध्यम बन सकती है।

पीएम स्वनिधि योजना से सुशील कुमार प्रजापति के पुश्तैनी हुनर को मिला नया संबल



■ 15 हजार रुपए की ऋण सहायता से कुम्हारी व्यवसाय को मिली मजबूती, मिट्टी को आकार देकर लिख रहे आत्मनिर्भरता की कहानी

■ पीएम स्वनिधि महोत्सव में पारंपरिक मिट्टी के उत्पादों का लगाया स्टॉल

बिलासपुर। मिट्टी को आकार देकर लोगों की जरूरतों की वस्तुएं तैयार करना केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि पीढ़ियों से संजोई गई कला और परंपरा भी है। इस पुश्तैनी हुनर को आजीविका का आधार बनाकर आगे बढ़ रहे छोटे कारीगरों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आर्थिक संबल बन रही है। बिलासपुर जिले के सकरी निवासी श्री सुशील कुमार प्रजापति भी ऐसे ही मेहनतकश कारीगर हैं, जो अपने पुरखों से विरासत में मिले कुम्हारी के हुनर को आगे बढ़ा रहे हैं। पीएम स्वनिधि योजना से मिली ऋण सहायता ने उनके पारंपरिक व्यवसाय को मजबूती प्रदान की है। श्री सुशील कुमार प्रजापति का परिवार पीढ़ियों से कुम्हारी के काम से जुड़ा हुआ है। मिट्टी को अपने हुनर से आकार देकर वे दीये और अन्य उपयोगी वस्तुएं तैयार करते हैं। यही पारंपरिक व्यवसाय उनकी आजीविका का साधन है। उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 15 हजार रुपए की ऋण सहायता प्राप्त हुई है। इस आर्थिक सहयोग से उनके व्यवसाय को संबल मिला है। अपने पुश्तैनी हुनर को सहेजते हुए वे मेहनत और लगन से आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आज आयोजित पीएम स्वनिधि महोत्सव में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। महोत्सव में श्री सुशील कुमार प्रजापति ने भी अपने मिट्टी के उत्पादों का स्टॉल लगाया। उनके स्टॉल में पारंपरिक दीये और मिट्टी से बनी अन्य उपयोगी वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। महोत्सव में विभिन्न स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने व्यवसाय और उत्पादों के माध्यम से मेहनत, हुनर और स्वरोजगार की झलक प्रस्तुत की। यह आयोजन उन मेहनतकश हाथों के सम्मान का अवसर बना, जो अपनी कला और परिश्रम से न केवल आजीविका अर्जित कर रहे हैं, बल्कि पारंपरिक व्यवसायों को भी जीवंत बनाए हुए हैं। श्री सुशील कुमार प्रजापति की कहानी बताती है कि पीढ़ियों से चले आ रहे हुनर को यदि सही समय पर आर्थिक सहयोग मिले, तो वह आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन सकता है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सपने बड़े देखें, संकल्प मजबूत रखें.....कठिनाइयां सफलता का रास्ता नहीं रोक सकतीं: ओपी चौधरी

■ वित्त मंत्री ने अपने संघर्ष से सफलता तक की यात्रा साझा कर विद्यार्थियों में जगाया आत्मविश्वास

■ तखतपुर में 4.50 करोड़ रुपए के नालंदा परिसर का शिलान्यास, 1.60 करोड़ रुपए से संवरेगा परमेश्वरी तालाब



बिलासपुर। गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ाई, शिक्षकों और किताबों की कमी तथा सिविल सेवा तक पहुंचने का कठिन सफर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने आज तखतपुर में अपने जीवन के इन्हीं अनुभवों को साझा कर छात्र-छात्राओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए पूरी लगन से जुटने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए सुविधाओं के साथ सबसे अधिक जरूरी लक्ष्य के प्रति जुनून, मजबूत संकल्प और निरंतर मेहनत है। सही सोच और योजनाबद्ध तैयारी के साथ आगे बढ़ने वाले विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों में भी अपनी राह बना सकते हैं। श्री चौधरी तखतपुर के रामसदन में आयोजित शिलान्यास एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लगभग 4.50 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 250 सीटों के नालंदा परिसर का शिलान्यास और लगभग 1.60 करोड़ रुपए के परमेश्वरी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। नालंदा परिसर का निर्माण शहर के जीएमपी स्कूल के निकट किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री धरमजीत सिंह ने की। वित्त मंत्री ने विद्यार्थियों को बताया कि उन्होंने रायगढ़ जिले के एक गांव के सरकारी स्कूल से पढ़ाई की। स्कूल में शिक्षकों की कमी थी और आगे बढ़ने के लिए संसाधन भी सीमित थे। बारहवीं के बाद भिलाई पहुंचे तो सिविल सेवा की तैयारी के लिए जरूरी किताबें जुटाना भी चुनौती थी। किताबों की तलाश में दिल्ली तक जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि इन कठिनाइयों के बीच भी अपने लक्ष्य पर विश्वास बनाए रखा और तैयारी जारी रखी। मसूरी स्थित प्रशासनिक प्रशिक्षण अकादमी से जुड़ा प्रसंग सुनाते हुए श्री चौधरी ने बताया कि एक बार वे अकादमी देखने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें भीतर प्रवेश नहीं मिला। उसी समय उन्होंने संकल्प लिया कि अब यहां आईएएस अधिकारी बनकर आएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि जीवन की कोई कठिनाई उनके सपनों से बड़ी नहीं है। अपनी ऊर्जा को पढ़ाई और तैयारी में लगाएं तथा असफलताओं से सीखते हुए आगे बढ़ें। श्री चौधरी ने कहा कि पढ़ाई के दौरान किताबों और अध्ययन सुविधाओं की कमी को उन्होंने स्वयं महसूस किया था। इसी अनुभव ने युवाओं के लिए बेहतर पुस्तकालय बनाने की प्रेरणा दी। रायपुर कलेक्टर रहते हुए उन्होंने लगभग 19 करोड़ रुपए की लागत से नालंदा परिसर बनवाया, जहां करीब तीन हजार युवा अध्ययन करते हैं।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन का इंतजार खत्म

करण जौहर द्वारा समर्थित सीरीज 'कॉल मी बे' में बेला 'बे' चौधरी के किरदार से अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद 'बे' की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा।



मंगलवार, 17 नवंबर को प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या 'बे' के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। विलप में वह कहती हैं, 'मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो।' कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा।

साउथ फिल्म में दिखेंगी विद्या बालन?

बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा...अपनी बेहतरीन और दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाने वाली विद्या बालन इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने न केवल हिंदी सिनेमा में एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में की हैं। बल्कि अब वो साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी मेकर्स की पहली पसंद बनती जा रही हैं। अपने शानदार एक्टिंग के दम पर वो लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ रही हैं। विद्या बालन के फैन्स के लिए एक और बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस के हाथ एक और बड़ा और प्रोजेक्ट लग सकता है।



हाल ही में रजनीकांत की 'जेलर 2' में विद्या बालन काम करती हुई नजर आई थीं। अपने नेगेटिव रोल के लिए उन्हें शानदार रिस्पॉन्स मिला था। इसी बीच साउथ सिनेमा में विद्या बालन की मांग फिर से बढ़ गई है। इसी बीच एक रिपोर्ट से पता लगा है कि, उनके पास साउथ से कई फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि एक्ट्रेस अब नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एक बड़े तेलुगु प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रही हैं। कहा जा रहा है कि डायरेक्टर कोराटाला शिवा के साथ बालकृष्ण अपनी आने वाली फिल्म पर काम कर रहे हैं। जिसका टेंटेटिव टाइटल है- NBK112. विद्या बालन को एक अहम रोल के लिए चुना जा सकता है। वो फिल्म में बतौर फीमेल लीड दिख सकती हैं। हालांकि उनका स्क्रीन टाइम लिमिटेड होगा। फिल्म में एक और एक्ट्रेस भी अहम भूमिका में नजर आ सकती हैं। बताया जा रहा है कि यह किरदार फिल्म की कहानी के लिए बहुत अहम है। दरअसल विद्या बालन ने इससे पहले बालकृष्ण के साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एनटीआर की पत्नी बसावतारकम का किरदार निभाया था। 'जेलर 2' में कांता के तौर पर उनकी एक्टिंग को तारीफ मिली थी। कई सालों तक क्षेत्रीय सिनेमा से दूर रहने के बाद, अब साउथ फिल्मों में और काम करने की इच्छा जताई है। बताते चलें कि बालकृष्ण के साथ कोराटाला शिवा की फिल्म को ऑफिशियल तौर पर लॉन्च कर दिया गया है।

ग्रैमी अवॉर्ड तमिल गाने ने रचा इतिहास



संगीत जगत में दिए जाने वाले सबसे बड़े सम्मान ग्रैमी अवॉर्ड 2027 के लिए नॉमिनेशंस का ऐलान हो गया है। 69वें ग्रैमी अवॉर्ड में ब्रिटिश सिंगर और सॉन्ग राइटर (गीतकार) रे सबसे ज्यादा नॉमिनेशन हासिल करने वाले कलाकार बने हैं। उनके गाने को 11 कैटगरीज में नॉमिनेशन मिला है। वहीं स्पैनिश कलाकार रोसालिया को 9 नॉमिनेशन और काउंट्री स्टार एला लांगले को 7 नॉमिनेशंस मिले हैं। इस बार मिरांडा लैंबर्ट, ओलिविया रोड्रिगो और फोइबे ब्रिड्जर्स को 7 नॉमिनेशंस मिले हैं। वहीं ब्रूनो मार्स, लियोन थोमस और ओलिविया डीन (पिछले साल की बेस्ट न्यू आर्टिस्ट) को 6-6 नॉमिनेशंस हासिल हुए हैं। भारत से धुरंधर ने कई कैटगरीज में एंट्रीज़ भेजी थीं, लेकिन एक भी नॉमिनेशन नहीं मिला है। हालांकि तमिल गाने वरुवाई को बेस्ट ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस कैटगरी में नॉमिनेशन मिला है। इसे देवन एकंबरम और सुशा गाया है।

इंसान नहीं, इस बार एलियन बनेगा अक्षय कुमार का दुश्मन!



बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार एक बार फिर बड़े पर्दे पर कुछ ऐसा लेकर आ रहे हैं, जिसकी कल्पना शायद ही उनके फैंस ने की होगी। कॉमेडी, देशभक्ति और सोशल ड्रामा के बाद अब अक्षय एक हाई-वोल्टेज साइंस-फिक्शन और क्रिएचर-सर्वाइवल थ्रिलर में नजर आने वाले हैं। अक्षय कुमार की मच-अवेटेड फिल्म 'समुक' का फर्स्ट लुक आधिकारिक तौर पर जारी कर दिया गया है। पहली झलक सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल तेज हो गई है, क्योंकि इस बार अक्षय का सामना किसी इंसान या आतंकवादी से नहीं, बल्कि एक बेहद खूंखार और रहस्यमयी दरिंदे से होने जा रहा है। मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए मोशन पोस्टर की शुरुआत एक घने और धुंध से लिपटे रहस्यमयी जंगल से होती है। इस खौफनाक माहौल के बीच अक्षय कुमार बेहद शार्प और डार्क सूट में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में एक अत्याधुनिक और भारी-भरकम बंदूक है, जिससे वे जंगल के अंधेरे में छिपे किसी अनदेखे खतरे पर निशाना साधते दिख रहे हैं। वीडियो के अगले हिस्से में उस रहस्यमयी क्रिएचर (जीव) की झलक दिखाई गई है, जो किसी के भी रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है।

मेकर्स ने इस फर्स्ट लुक के साथ एक बेहद प्रभावशाली कैप्शन भी साझा किया है— **"दुश्मन इंसान नहीं है। लेकिन यह लड़ाई इंसानियत के लिए है। और पीछे हटने का कोई विकल्प नहीं है।"** इस कैप्शन ने साफ कर दिया है कि फिल्म में इंसान और एक अलौकिक या एलियन शक्ति के बीच आर-पार की जंग देखने को मिलेगी।

'प्यादे' का फर्स्ट लुक जारी

बॉलीवुड में अपनी दमदार और संजीदा अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेता जिमी शेरगिल एक बार फिर दर्शकों को रोमांच की दुनिया में ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आगामी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'प्यादे' का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में जिमी शेरगिल के साथ अभिनेता अध्ययन सुमन और अभिनेत्री प्रनूतन बहल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोस्टर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की कहानी और इसके रहस्यमयी अंदाज को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

मेकर्स द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए इस फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के डार्क और सस्पेंस से भरे माहौल की झलक साफ दिखाई देती है। पोस्टर में जिमी शेरगिल, अध्ययन सुमन और प्रनूतन बहल अन्य किरदारों के साथ बैठे हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन इस तस्वीर का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा ऊपर से आते हुए दो विशाल हाथ हैं। इन हाथों में बंधी डोरियां नीचे बैठे सभी किरदारों से जुड़ी हुई हैं। यह दृश्य साफ तौर पर किसी 'कठपुतली के खेल' की ओर इशारा करता है, जहां कोई अज्ञात शक्ति ऊपर बैठकर इन सभी की जिंदगी और चालों को नियंत्रित कर रही है। पोस्टर को शेयर करते हुए निर्माताओं ने एक बेहद गहरा और सस्पेंस बढ़ाने वाला कैप्शन लिखा, "कुछ लोग खेल खेलते हैं। कुछ खुद खेल बन जाते हैं। लेकिन असली ताकत उसी के पास होती है, जो हर चाल को नियंत्रित करता है।



'रामायण 2' में होगा सनी देओल का जबरदस्त एक्शन

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रणबीर कपूर और यश की 'रामायण' ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। और दर्शकों के बीच इसका जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म के शानदार वीएफएक्स, ग्रैंड सेट और दमदार किरदारों ने पर्दे पर कमाल कर दिया है। लेकिन इस फिल्म का सबसे बड़ा हाईलाइट वो पल था, जब क्लाइमैक्स में हनुमान बने सनी देओल की एंट्री हुई। पर्दे पर उनके आते ही सिनेमाघरों में बैठे फैन्स की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। और सीटियों-तालियों से पूरा थिएटर गूंज उठा। अब दर्शकों का यह एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ने वाला है। क्योंकि 'रामायण: पार्ट 2' में भगवान हनुमान बने सनी देओल अहम रोल में होंगे। साथ ही अब इस किरदार को लेकर बेहद शानदार जानकारियां सामने आई हैं। 'रामायण: पार्ट 2' को लेकर हाल ही में फिल्म के सिनेमैटोग्राफर पंकज कुमार ने एक इंटरव्यू में कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, उन्होंने वादा किया है कि पार्ट 2 में लोगों को सनी देओल के बेहद शानदार और रोंगटे खड़े कर देने वाले एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। वीएफएक्स और मेकिंग के लेवल पर इस बार काम और भी अच्छे से किया जा रहा है। ताकि दर्शकों को एक बेजोड़ विजुअल ट्रीट मिल सके। इसके अलावा, सिनेमैटोग्राफर ने फिल्म की दुनिया के दो सबसे अहम हिस्सों अयोध्या और लंका पर बात की। वो दोनों हिस्सों के विजुअल ट्रीटमेंट और उनके बारे में डिकोड करते दिखे।



फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन मेष राशि के लोगों के लिए आर्थिक कमाई के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। व्यापार से जुड़े लोग अपनी योजनाओं पर पूरा फोकस रखेंगे, जिसका सीधा फायदा मुनाफे के रूप में मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को अगर बॉस कोई नया काम सौंपें, तो उसकी बारीकियों को पहले अच्छी तरह समझ लें, वरना चूक हो सकती है।

वृषभ राशि - आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन वृषभ राशि वालों के लिए बेहद शानदार रहने वाला है। किसी पुराने निवेश से अच्छा रिटर्न मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। अगर आप पैसों की तंगी को लेकर परेशान थे, तो आज अचानक धन लाभ होने से बड़ी राहत मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। घर-परिवार के सदस्यों की बातों को गंभीरता से सुनें और समझें।

मिथुन राशि - आज का दिन मिथुन राशि के लोगों के लिए कई मोर्चों पर बेहतरीन रहने वाला है। किसी मित्र या अनुभवी व्यक्ति की सलाह पर किया गया निवेश भविष्य में लाभ देगा। आज आपको अचानक आर्थिक लाभ होने के प्रबल योग हैं और आपका कोई सोचा हुआ कार्य पूरा होगा। ससुराल पक्ष के साथ चल रहे पुराने मतभेद खत्म होंगे और रिश्तों में मधुरता आएगी।

कर्क राशि - सेहत के लिहाज से आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए राहत भरा रहेगा। अगर आप लंबे समय से किसी शारीरिक या मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे, तो आज उसका समाधान मिल सकता है। ऑफिस में कामकाज को लेकर कोई समस्या आ रही है, तो वरिष्ठ अधिकारियों से खुलकर बात करें। सितारों की चाल बताती है कि आज कड़ी मेहनत के बाद ही आपको मनचाही सफलता मिलेगी।

सिंह राशि - आज का दिन सिंह राशि के लोगों के लिए कुछ उलझनों भरा रह सकता है, हालांकि पुरानी परेशानियों से निजात भी मिलेगी। अगर आप जमीन या मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो कागजी कार्रवाई में पूरी सतर्कता बरतें, अन्यथा काम अटक सकता है। कार्यक्षेत्र में तरक्की मिलने से मन खुश रहेगा।

कन्या राशि - आज का दिन कन्या राशि के लोगों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आएगा। परिवार में चल रहे किसी भी विवाद को आपसी बातचीत से सुलझाना ही आपके हित में रहेगा। अगर निजी रिश्तों में तनाव है, तो संवाद से स्थिति सुधर सकती है। किसी काम को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। सरकारी नौकरी करने वालों को वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना और प्रोत्साहन मिलेगा।

तुला राशि- आज का दिन तुला राशि के लोगों के लिए काफी व्यस्तता भरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की तबीयत बिगड़ने से भागदौड़ और चिंता हो सकती है। आप अपने अधूरे कार्यों को निपटाने के लिए जी-जान लगा देंगे और किसी मित्र की मदद से सफलता भी हासिल करेंगे। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और दांपत्य जीवन सुखमय बीतेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन वृश्चिक राशि वालों के लिए मिलाजुला और मध्यम फलदायी रहेगा। अविवाहित लोगों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आ सकते हैं। मन में नकारात्मक विचारों को जगह न दें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें, सफलता जरूर मिलेगी। व्यापारी वर्ग को आज कारोबार में कुछ उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

धनु राशि- आज का दिन धनु राशि के लोगों के लिए सामान्य और सुखद रहेगा। पुरानी यादें ताजा होंगी और किसी पुराने किस्से को याद करके चेहरे पर मुस्कान आएगी। ससुराल पक्ष से आज आपको विशेष लाभ मिलने के योग हैं। विदेश जाकर पढ़ाई करने का सपना देख रहे छात्रों को अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी।

मकर राशि - आज का दिन मकर राशि के लोगों के लिए मिलाजुला रहने वाला है। ऑफिस में काम का बोझ अधिक होने से मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं। लंबे अरसे बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होगी, जो भविष्य में लाभदायक साबित होगी। वैवाहिक जीवन में खुशहाली के लिए जीवनसाथी को शॉपिंग पर ले जाना पड़ सकता है।

कुंभ राशि- आर्थिक मामलों में आज का दिन कुंभ राशि वालों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोग या लोन लेकर नया काम शुरू करने की सोच रहे लोगों के लिए समय अनुकूल है। दोस्तों के साथ पार्टी या कहीं घूमने-फिरने का प्लान बन सकता है। आज एक से अधिक स्रोतों से धन आगमन के योग हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

मीन राशि- आज का दिन मीन राशि के लोगों के लिए उन्नति के नए द्वार खोलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नया और रचनात्मक करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपके मजबूत इरादे और मेहनत रंग लाएंगे। वैवाहिक जीवन में किसी बात को लेकर जीवनसाथी से अनबन हो सकती है, वाणी पर संयम रखें।

क्यों भगवान विष्णु के विवाह के बाद ही शुरू होते हैं शादी-ब्याह?



एकादशी से अगले दिन तुलसी विवाह क्यों होता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु चार महीने के लंबे विश्राम के बाद अपनी योगनिद्रा से जागते हैं। जिस समय भगवान निद्रा से बाहर आते हैं, उस दिन सभी देवी-देवता मिलकर उनका स्वागत करते हैं और उनकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इसके ठीक अगले दिन यानी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को भगवान विष्णु के पत्थर स्वरूप शालिग्राम के साथ माता तुलसी का विवाह रचाया जाता है।शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि जब तक भगवान विष्णु स्वयं विवाह नहीं कर लेते, तब तक पृथ्वी लोक पर किसी भी मनुष्य के लिए विवाह करना शुभ नहीं माना जाता है। यही वजह है कि एकादशी के अगले दिन पहले भगवान का विवाह संपन्न कराया जाता है और उसके बाद ही सभी के घरों में शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होते हैं।

चार महीने की योगनिद्रा से भगवान विष्णु के जागने के ठीक अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को पूरे देश में तुलसी विवाह का पावन पर्व मनाया जाता है। इस साल देवउठनी एकादशी 20 नवंबर को मनाने के बाद 21 नवंबर को तुलसी विवाह का यह भव्य आयोजन बहुत ही धूमधाम के साथ किया जाएगा। सनातन धर्म में इस दिन का बहुत बड़ा महत्व माना गया है, क्योंकि इसी दिन से घर-घर में शहनाइयां बजने और विवाह जैसे मांगलिक कार्यों की असली शुरुआत होती है। बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर एकादशी के अगले दिन ही यह शुभ विवाह क्यों संपन्न कराया जाता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि इसके पीछे क्या धार्मिक कारण है और माता तुलसी तथा भगवान शालिग्राम के विवाह की पूरी पौराणिक कथा क्या है।

माता तुलसी और भगवान शालिग्राम से जुड़ी कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में वृंदा नाम की एक अत्यंत पतिव्रता स्त्री थी, जिसका विवाह जालंधर नाम के एक शक्तिशाली असुर के साथ हुआ था। वृंदा के कठोर पतिव्रता धर्म के कारण देवता भी युद्ध में जालंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे, जिससे चारों तरफ हाहाकार मच गया था। तब देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण करके वृंदा का पतिव्रता धर्म भंग कर दिया, जिससे युद्ध में जालंधर मारा गया। जब वृंदा को इस बात की सच्चाई पता चली, तो उन्होंने क्रोधित होकर भगवान विष्णु को पत्थर बन जाने का श्राप दे दिया और स्वयं अग्नि में समा गईं। वृंदा की राख से ही एक पवित्र पौधा उत्पन्न हुआ जिसे तुलसी कहा गया और भगवान ने पत्थर रूप में शालिग्राम बनकर उनसे विवाह करने का वरदान दिया।

आंवला नवमी पर किस देवी-देवता की होती है पूजा?



शास्त्रों में आंवला नवमी यानी अक्षय नवमी का विशेष महत्व माना गया है। कहते हैं इस दिन किये गए पुण्य कार्यों का फल जन्म-जन्मान्तर तक समाप्त नहीं होता। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा होती है। यह पर्व देवउठनी एकादशी से दो दिन पहले मनाया जाता है। इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे भोजन पकाने और खाने की विशेष परंपरा निभाई जाती है। इस त्योहार पर मथुरा-वृन्दावन की परिक्रमा करना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि इसी दिन से सतयुग की भी शुरुआत हुई थी इसलिए इस दिन को सतयुगादि भी कहा जाता है। बता दें आंवला नवमी का पावन पर्व इस साल 18 नवंबर को मनाया जाएगा। यहां आप जानेंगे आंवला नवमी की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त।

आंवला नवमी शुभ मुहूर्त 2026

आंवला नवमी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:46 से दोपहर 12:06 बजे तक रहेगा। तो वहीं नवमी तिथि 18 नवंबर की सुबह 06:04 से 19 नवंबर की सुबह 07:05 तक रहेगी।

आंवला नवमी की पूजा विधि

इस दिन मुख्य रूप से भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, श्री गणेश भगवान और आंवला के वृक्ष का पूजन किया जाता है। साथ ही इस दिन आंवले के पेड़ के नीचे ही भोजन भी पकाया जाता है। लेकिन यदि आपके आसपास आंवला वृक्ष न हों तो आप किसी गमले में उगे हुए आंवले के पौधे की भी पूजा कर सकते हैं। अगर ये भी न हो तो घर पर ही भगवान विष्णु की पूजा में आंवले को अवश्य शामिल करें।

सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर सूर्य देव को अर्घ्य दें। फिर पूजा स्थल को साफ करके वहां आटे या चावल की मदद से एक स्वस्तिक बनाएं। इसके बाद पूजा स्थल के पास एक चौकी की स्थापना करें। फिर चौकी पर एक साफ लाल वस्त्र बिछाएं। साथ ही इसे गंगाजल से शुद्ध करें। फिर चौकी पर कुछ अक्षत डालें। अब इस पर भगवान विष्णु और लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। चौकी पर दायीं तरफ गणेश जी की प्रतिमा भी जरूर स्थापित करें। पूजा स्थल पर एक छोटी थाली में आंवला भी जरूर रखें। इसके बाद फूल की मदद से जल लेते हुए सभी देवों और आंवलों को संकेतात्मक स्नान करवाएं। इसके बाद विधि विधान पूजा करें। आंवला नवमी की कथा सुनें या पढ़ें। फिर भगवान लक्ष्मीनारायण की आरती करें और प्रसाद सभी में बांट दें।

मच्छर के काटने से खुजली क्यों होती है?

मच्छर का काटना केवल एक छोटी सी सुई चुभने जैसा होता है, लेकिन उसके कुछ ही सेकंड बाद होने वाली तेज खुजली और लाल निशान हमें परेशान कर देते हैं। अधिकांश मामलों में यह समस्या कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन यदि गंभीर एलर्जी, संक्रमण या बुखार जैसे लक्षण दिखाई दें, तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए। जब कोई मादा मच्छर (सिर्फ मादा मच्छर ही खून पीती हैं) हमारी त्वचा पर बैठती है, तो वह खून चूसने के लिए अपनी सूंड को त्वचा में डालती है। इस प्रक्रिया के दौरान असली कारण शुरू होता है:

लार का प्रवेश : मच्छर की लार में विशेष प्रकार के प्रोटीन और थक्कारोधी तत्व होते हैं। यह लार खून को जमने से रोकती है ताकि मच्छर बिना किसी रुकावट के आसानी से खून चूस सके। जैसे ही यह बाहरी लार हमारे शरीर में प्रवेश करती है, हमारा इम्यून सिस्टम इसे एक हमलावर मानकर तुरंत सक्रिय हो जाता है। इस लार से लड़ने के लिए हमारा शरीर 'हिस्टामाइन' नाम का एक रसायन छोड़ता है।

सूजन और खुजली : हिस्टामाइन के कारण प्रभावित हिस्से के आसपास की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं। इससे वहां खून का प्रवाह बढ़ जाता है, जिससे त्वचा लाल हो जाती है, सूज जाती है और वहां की नसें मस्तिष्क को खुजली का संकेत भेजने लगती हैं।

गुलाबी निखार, चेहरे पर चमक सर्दियों में स्किन को पोषण देंगे ये फूल

■ **कैलेन्डुला :** सर्दियों में कैलेंडुला फूल आसानी से उग जाता है। इसे आप अपने घर के गमले भी लगा सकते हैं। मार्केट में इसकी स्किन के लिए क्रीम भी आती है। ये कई गुणों से भरपूर फूल होता है जो त्वचा के हल्के घाव, लालिमा, सूजन, इचिंग को कम करने में हेल्पफुल है और फेस को फ्रेश बनाता है। इस फूल की पत्तियां आप जैतून या बादाम तेल में डालकर रख सकते हैं। इस ऑयल को अपने फेस पर लगाएं। धीमी आंच पर उबलने के बाद बचे पानी को छानकर टोनर की तरह यूज करें या फिर पत्तियों को पीसकर दूध की मलाई के साथ फेस पैक बनाकर लगाएं।

■ **गुड़हल :** त्वचा के लिए गुड़हल का फूल भी कमाल का असर दिखाता है। रूखी स्किन से परेशान रहते हैं तो इसे पीसकर पेस्ट बना लें और दही, शहद के साथ मिलाकर लगाएं। इसे 'नेचुरल बोटॉक्स' भी कहते हैं, क्योंकि ये फूल डेड स्किन को रिमूव करता है और स्किन को ग्लोइंग बनाता है।



■ **गेंदा :** गेंदा भी रूखी और फटी त्वचा को रिपेयर करने में कमाल का फूल माना जाता है। ये स्किन एलर्जी को कम कर सकता है और दाग-धब्बे हल्के करके त्वचा को ताजगी देता है। इसे पीसकर आप शहद के साथ मिलाकर लगा सकते हैं। इसमें दही या कच्चा दूध और चंदन पाउडर मिलाना भी सही रहता है। इसे उबालकर स्प्रे बोतल में भर लें और दिन में दो बार फेस पर स्प्रे कर सकते हैं। दरदरा पीसकर माइल्ड स्क्रब की तरह यूज करना भी बढ़िया रहता है।

■ **हरसिंगार :** हरसिंगार (पारिजात) को त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद फूल माना गया है। इसमें सूजनरोधी और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। ये दाग-धब्बों, झाइयों, मुंहासों को कम करने में हेल्पफुल रहता है। इसे पानी में उबालकर टोनर की तरह लगा सकते हैं।



रामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले 45 श्रद्धालुओं ने सांसद विजय बघेल से लिया आशीर्वाद

भिलाई। पाटन विधानसभा क्षेत्र के 45 श्रद्धालुओं का जत्था भगवान श्रीरामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पूर्व दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रंजनी बघेल का आशीर्वाद लेने उनके निज निवास सेक्टर-5 भिलाई पहुंचा। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने सभी श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह आप सभी का सौभाग्य है कि आपको प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य अवसर प्राप्त हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी का भी आप सभी को शुभाशीष प्राप्त हो। प्रभु श्रीराम आप सभी को मानव सेवा और समाज सेवा करने की शक्ति प्रदान करें। सांसद विजय बघेल ने कहा कि आज लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा भी है। वे सुबह चार बजे से ही विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। उन्होंने कामना की कि छठी मैया की कृपा और आशीर्वाद आप सभी पर सदैव बना रहे। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं की रामलला के दर्शन की यात्रा मंगलमय एवं सुखद होने की कामना करते हुए कहा कि आप सभी प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लेकर सकुशल वापस लौटें।



छठी मैया के जयकारों से गूंजा सूरजपुर, आस्था के सैलाब ने बांधा समां, चार दिनों तक भक्तिरस में डूबा रहा जिला

सूरजपुर। लोक आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना का महापर्व छठ जिलेभर में हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। चार दिनों तक पूरा जिला छठी मैया की भक्ति में सराबोर रहा। शहर से लेकर गांवों तक छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती रही। जिले के विभिन्न छठ घाटों, नदी-तालाबों और पूजा स्थलों पर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र के लोगों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। छठ महापर्व के तीसरे दिन व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसके बाद चौथे और अंतिम दिन सोमवार की सुबह सूर्योदय से पहले ही श्रद्धालुओं का छठ घाटों पर पहुंचना शुरू हो गया। फल, फूल, नारियल, ठेकुआ और पारंपरिक प्रसाद से सजी पूजा की थालियां लेकर व्रती घाटों पर पहुंचे। भगवान सूर्य की पहली किरण दिखाई देते ही जल में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसी के साथ 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत का पारण हुआ और चार दिवसीय महापर्व का विधिवत समापन हो गया।



गांव में खुला धान खरीदी केंद्र, किसानों की बल्ले-बल्ले, दूरी और ढुलाई के खर्च से मिली बड़ी राहत

सूरजपुर। जिले में नवीन धान खरीदी केंद्रों की शुरुआत किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। अब अपनी उपज बेचने के लिए किसानों को दूर-दराज के उपार्जन केंद्रों तक लंबी दूरी तय करने की मजबूरी नहीं रही। गांव के नजदीक ही धान खरीदी की सुविधा मिलने से किसानों का समय, श्रम और परिवहन खर्च बच रहा है। शासन की इस पहल से धान विक्रय की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक सरल और सुविधाजनक हो गई है। तिवरागुड़ी पंचायत में नवीन धान खरीदी केंद्र शुरू होने से क्षेत्र के किसानों में खुशी का माहौल है। उमापुर के किसान तेजू साहू, सोमार साय एवं मकरंदीपुर के रविशंकर देवांगन ने बताया कि पहले उन्हें धान बेचने के लिए उमापुर धान खरीदी केंद्र जाना पड़ता था। लंबी दूरी तय करने के साथ परिवहन पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता था।



भारत की सभ्यतागत विरासत से वैश्विक नेतृत्व तक : विकसित भारत 2047 की परिकल्पना

दुर्ग। प्राचीन काल में ज्ञान, विज्ञान और व्यापार के वैश्विक केंद्र से लेकर आज एक प्रमुख आर्थिक और रणनीतिक शक्ति के रूप में उभरने तक, भारत की यात्रा सदियों के परिवर्तन को दर्शाती है। लेकिन भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने में भारत क्या भूमिका निभाएगा। इस पर विचार करने के लिए, आईआईटी भिलाई सेल ऑन इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ छत्तीसगढ़ (आईसी-ईडीसी) और कलिंगा कुसुम फाउंडेशन (केकेएफ) ने संयुक्त रूप से 13 नवंबर 2026 को वैश्विक शक्ति के लिए भारत का मार्ग विश्व में भारत क्या भूमिका निभाना चाहता है, का आयोजन किया।

जिसे फ्रीडम फाउंडेशन (एफएनएफ इंडिया) और आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) के समर्थन से किया गया था। आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश ने भारत की ऐतिहासिक खूबियों और भविष्य की आकांक्षाओं पर चर्चा करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। पूर्व सांसद (लोकसभा) प्रदीप गांधी ने भारत के विकास की रीढ़ के रूप में ग्रामीण और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर जोर दिया, जबकि सांसद (राज्यसभा) सुजीत कुमार ने आर्थिक रिपोर्टों और वैश्विक रुझानों से अंतर्दृष्टि के माध्यम से भारत की बदलती वैश्विक छवि और आर्थिक प्रक्षेपवक्रपर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर, विशाल फन फेयर आनंद मेला का आयोजन

लोटस पब्लिक स्कूल की विज्ञान प्रदर्शनी में नन्हे वैज्ञानिकों का जलवा

- विधायक कविता प्राण लहरे ने की सराहना, कहा - सुना था लोटस का नाम, आज विद्यालय आकर इसकी शैक्षणिक गतिविधियों को करीब से देखने का अवसर मिला



भटगांव। बाल दिवस के अवसर पर लोटस पब्लिक स्कूल, भटगांव द्वारा 14 नवंबर को बंगला भाठा मैदान में भव्य फन फेयर एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान, स्वास्थ्य, नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य जांच शिविर रहा, जिसने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत भटगांव के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष भटगांव धीरज सिंह दीक्षित, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन, बीईओ बिलाईगढ़, नोडल अधिकारी प्रियतम भारद्वाज, विजय साहू, पत्रकार धर्मेंद्र साहू, रामदुलार साहू, के. पी. पटेल, संदीप पटेल, सुरेश रघु, योगेश जायसवाल, अनिल जायसवाल, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी सेजेस स्कूल के अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, तुलसी आदित्य, श्यामा साहू, रमा पटेल सहित सभी पार्षद एवं एल्डरमैन उपस्थित रहे। विधायक कविता प्राण लहरे ने की विद्यालय एवं बच्चों की प्रतिभा की सराहना- कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती कविता प्राण लहरे ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति एवं विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि इतने छोटे-छोटे बच्चे अंग्रेजी में जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख रहे हैं और इतने अच्छे विज्ञान मॉडल बनाकर उनकी कार्यप्रणाली समझा रहे हैं, यह वास्तव में सराहनीय है।

विद्यार्थियों ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर, अतिथि हुए प्रभावित

कार्यक्रम का सबसे विशेष एवं सराहनीय आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य जांच शिविर रहा। इसमें विद्यार्थियों ने मार्गदर्शन के अंतर्गत लोगों का ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप, पल्स रेट, वजन एवं लंबाई मापने जैसी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। छोटे-छोटे विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी जांच की प्रक्रिया समझाते और व्यावहारिक रूप से गतिविधियों को करते देखकर अतिथियों ने उनकी खूब सराहना की। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता एवं व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

विज्ञान मॉडलों ने अतिथियों को किया प्रभावित

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मानव श्वसन तंत्र, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ज्वालामुखी, सौरमंडल, ग्रीनहाउस सहित अनेक आकर्षक विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए गए। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली एवं वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझाया। अतिथियों ने बच्चों की कम उम्र में इतनी अच्छी प्रस्तुति, वैज्ञानिक समझ एवं आत्मविश्वास को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इतने छोटे बच्चों द्वारा विज्ञान के विषयों को इतनी सरलता एवं आत्मविश्वास से प्रस्तुत करना प्रशंसनीय है।

साइंस एग्जीबिशन की सफलता में शिक्षकों का विशेष योगदान

इस भव्य विज्ञान प्रदर्शनी को सफल एवं आकर्षक बनाने में विद्यालय के शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों को विज्ञान मॉडल तैयार कराने, उनके विषयों को समझाने, प्रस्तुति का अभ्यास कराने एवं प्रदर्शनी के दौरान प्रत्येक मॉडल की जानकारी देने में शिक्षकों ने विशेष मेहनत की। इसमें विक्की यादव, किरण मैम, अशु मैम, कौशिक सर, सिमरन मैम, प्रवीण सर, दिनेश सर, मानसी मैम, वीरेंद्र सर, अनीता मैम, विमला मैम, अंजलीमैम, सनत सर, दीप्ति मैम, रीफिन मैम एवं सुमन मैम का विशेष योगदान रहा। सभी शिक्षकों ने अपने-अपने स्तर पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनकी कल्पनाओं को विज्ञान के मॉडलों का रूप देने में सहयोग किया। शिक्षकों के सामूहिक प्रयास, समर्पण एवं मेहनत के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने अतिथियों के सामने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की।

फन फेयर में अभिभावकों की भी रही उत्साहपूर्ण सहभागिता

विज्ञान प्रदर्शनी के साथ आयोजित फन फेयर में विभिन्न मनोरंजक स्टॉल, खेल एवं गतिविधियाँ आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभिभावकों के लिए आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता लोटस का ताज हू किसके सिर सजेगा?' ने भी कार्यक्रम में उत्साह और मनोरंजन का माहौल बनाया।

धान खरीदी में किसानों का रकबा छीन रही सरकार, कांग्रेस ने दी NH जाम की चेतावनी

- चेतावनी रैली निकालकर किया कलेक्ट्रेट का घेराव, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

किसानों के हक की लड़ाई में सड़क पर उतरी जिला कांग्रेस



जांजगीर-चांपा। धान खरीदी व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, विभागीय लापरवाही और तकनीकी खामियों के चलते जिले के किसानों को हो रही गंभीर परेशानियों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित चेतावनी रैली में अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक शेषराज हरबंश, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू सहित जिलेभर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लॉक एवं मंडल कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, किसान और सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेसजनों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च किया और कलेक्ट्रेट पहुंचकर घेराव किया। तत्पश्चात कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जल, जंगल और जमीन के बाद अब किसानों के खेतों का रकबा भी छीनने में लगी है। वोट चोरी, राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद अब प्रदेश के किसानों के हक पर डाका डालने का काम किया जा रहा है। सरकार की नीतियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के कारण अन्नदाता अपने ही खेत में उपजे धान को बेचने के लिए परेशान और बेबस है। कांग्रेस ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसानों पर जबरन रकबा समर्पण का दबाव बनाया जा रहा है। रकबा संशोधन में अनावश्यक अड़चनें, बचत धान के भौतिक सत्यापन की जटिलताएं, एग्रीस्टेक पंजीयन में समस्याएं, PV एप्लिकेशन की तकनीकी खामियां तथा भुइयां पोर्टल में दर्ज विभागीय त्रुटियों के कारण किसान खरीदी केंद्रों से लेकर सरकारी कार्यालयों तक चक्कर काटने को मजबूर हैं।

सामाजिक जनजागृति एवं सद्भावना का संदेश देता दीप यज्ञ संपन्न



भटगांव। गायत्री प्रज्ञापीठ भटगांव के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 1, सिंघी चुआं रोड में श्रद्धा, उत्साह एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच दीप यज्ञ का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक समस्याओं एवं ज्वलंत मुद्दों के प्रति जन-जागृति लाना, लोगों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों, आपसी सहयोग, सद्भावना एवं सकारात्मक सोच का विकास करना रहा। कार्यक्रम में मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिकों, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीप यज्ञ के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज में परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है.

अश्वनी साहू बने कोड़ापुरी सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष, साहू समाज और पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष



बिलासपुर / तखतपुर। तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोकप्रिय एवं जुझारू भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल महामंत्री अश्वनी साहू को उनकी लगन, मेहनत और ईमानदारी को देखते हुए कोड़ापुरी सेवा सहकारी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद से ही पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक जनों के उनके निवास पहुँचकर बधाई देने का तांता लगा हुआ है।साहू समाज के पदाधिकारियों ने दी बधाई-इसी कड़ी में आज साहू समाज के अध्यक्ष बसंत कुमार साहू, उपाध्यक्ष लवकुश साहू, तिरिथ राम साहू, कोषाध्यक्ष उमाशंकर साहू, सचिव पुन्नी राम साहू, भालचंद्र साहू तथा पूर्व अध्यक्ष हरिश्चंद्र साहू ने उनके निवास पहुँचकर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि अश्वनी साहू का इस पद पर आसीन होना हमारे पूरे समाज के लिए बेहद गौरव की बात है।नेतृत्व और आभार-नवनियुक्त अध्यक्ष अश्वनी साहू ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र के विधायक धर्मजीत सिंह से आशीर्वाद प्राप्त किया।

भिलाई में 18 नवंबर को सजेगी 'डॉ. येसुदास जी को समर्पित संगीत संध्या'

सेल। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आगामी 18 नवंबर 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में पद्मविभूषण डॉ. के.जे. येसुदास को समर्पित 'डॉ. येसुदास नाइट' का आयोजन किया जाएगा। भिलाई के संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार संगीतमय संध्या कार्यक्रम शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस विशेष संगीतमय आयोजन में भिलाई इस्पात संयंत्र के ख्यातिलब्ध गायक पी.टी. उल्लास कुमार, डॉ. येसुदास के सदाबहार एवं लोकप्रिय फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुति देंगे। उनकी गायकी के साथ इस संध्या को और भी यादगार बनाने के लिए मुंबई की राष्ट्रीय स्तर की गायिका सुश्री शाहीन को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा भिलाई के जाने-माने गायक एवं गायिकाएं भी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

रकम लेकर आबकारी आरोपी को छोड़ने पर गिरी गाज, सारागांव थाने के 6 पुलिसकर्मी निलंबित



जांजगीर-चांपा। अवैध रूप से रकम लेकर आबकारी एक्ट के आरोपी को छोड़ने के गंभीर मामले में पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना सारागांव में पदस्थ प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सहित 6 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। 11 नवंबर को दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित '1.5 लाख लेकर शराब के आरोपियों को छोड़ा' शीर्षक वाली खबर को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने मामले की प्रारंभिक जांच नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) जांजगीर से कराई थी। जांच में यह तथ्य प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाया गया कि 4 नवंबर को धारा 36(च) आबकारी एक्ट के आरोपी गोपाल से पुलिसकर्मियों द्वारा रकम का लेन-देन किया गया था। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए सारागांव थाने में पदस्थ प्रशिक्षु उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र साहू, प्रधान आरक्षक क्रमांक 361 अर्जुन जांगड़े तथा आरक्षक क्रमांक 22 दीपक सिंह, आरक्षक क्रमांक 05 शंकर जयकिशन, आरक्षक क्रमांक 495 सुनील रमन और आरक्षक क्रमांक 11 गोवर्धन टाईगर को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि विभाग में भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन के लिए कोई स्थान नहीं है, जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सीएसपी को सौंपी आगे की जांच, एफआईआर के निर्देश- एसपी ने प्रकरण की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे को सौंपी है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संदेश दिया है कि विभाग में भ्रष्टाचार और अवैध लेन

देन के लिए कोई स्थान नहीं है, जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। सीएसपी को सौंपी आगे की जांच, एफआईआर के निर्देश- एसपी ने प्रकरण की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे को सौंपी है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि वे खबर प्रकाशित करने वाले मीडियाकर्मी, आरोपी गोपाल गोंड़, संबंधित पुलिसकर्मियों तथा लेन-देन में मध्यस्थता करने वाले किसी भी संदिग्ध सिविलियन के कथन दर्ज कर साक्ष्यों का सूक्ष्म परीक्षण करें। भ्रष्टाचार और अवैध रूप से रकम लेन-देन के आरोप प्रमाणित पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध विधिसम्मत अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिले मे जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन

शिक्षा से ही आदिवासी समाज का उज्ज्वल भविष्य सांसद बृजमोहन अग्रवाल

बलौदाबाजार। जिले में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित जिला ऑडिटोरियम मे जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और विकास पर जोर देते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि



भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह और वीर गुंडाधुर जैसे महान जननायकों के संघर्ष और बलिदान की गाथाएँ समाज के हर बच्चे तक पहुँचनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास, पूर्वजों और संस्कृति पर गर्व कर सके। अग्रवाल ने आदिवासी समाज की अलग-अलग आस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करते हुए एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने नक्सलवाद को आदिवासी अंचलों के विकास की बड़ी बाधा बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के समूल खात्मे की दिशा में निर्णायक प्रयास किए हैं। अपनी राह से भटके युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने और उनके पुनर्वास के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। माओवादी आंदोलन से जुड़े युवाओं को सम्मानजनक जीवन, विकास के अवसर और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

दूरस्थ वनांचलों में सोलर ऊर्जा से पहुँचेगी बिजली

दुर्गम वनांचलों में बिजली की समस्या पर सांसद अग्रवाल ने कहा कि जहाँ बिजली के तार पहुँचाना कठिन है, वहाँ सोलर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा सकती है। जिन गाँवों में अभी सोलर सुविधा नहीं है, वहाँ भी भविष्य में बिजली पहुँचाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने दूरस्थ वनांचलों में बिजली की समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। शहीद वीर नारायण सिंह के वंशज राजेंद्र दीवान एवं सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष भूपेंद्र ध्रुववंशी ने जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन तथा आदिवासी संस्कृति एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com